प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...



वर्ष - 11, अंक - 32 , 18 अक्टूबर से 24 अक्टूबर , 2026 | मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

ऊर्जा का उत्सव नवरात्री 08

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी



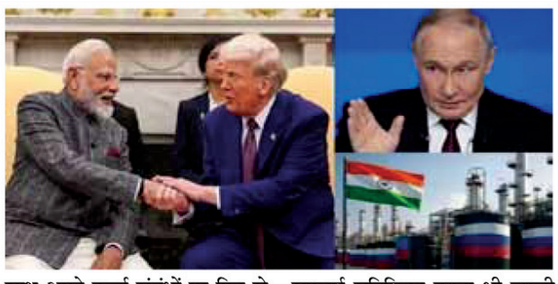
500%, 100%, फिर 0%, रूसी तेल खरीदने को लेकर ट्रंप के टैरिफ से ऐसे बच निकला भारत

एजेंसी। नई दिल्ली

ट्रम्प द्वारा रूस से जुड़े नए टैरिफ पर छूट, भारत को तात्कालिक राहत, लेकिन जोखिम बरकरार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को बड़ा ऐलान किया। उन्होंने रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ की तलवार को हटा लिया। शुरुआत में यह टैरिफ 500% तक बहुत भारी-भरकम रखने का प्रस्ताव था। इसे बाद में घटाकर 100% किया गया। आखिरकार इसे (फिलहाल अस्थायी रूप से) पूरी तरह हटा दिया गया। कुल मिलाकर कहें तो जो प्रस्ताव कभी बहुत ऊंचे टैरिफ लगाने के लिए था, वह समय के साथ एक सीमित कानूनी अधिकार में बदल गया। इस नई छूट के कारण इसे तुरंत लागू करने की प्रक्रिया फिलहाल रोक दी गई है। 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शन्स रशिया एंड ईरान एक्ट 2026' (रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून) का घटनाक्रम यह दिखाता है कि कैसे वॉशिंगटन अपनी आर्थिक और कूटनीतिक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए रूस के खिलाफ व्यापार को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करना चाहता है। भारत, चीन समेत रूस से कच्चा तेल (क्रूड) आयात करने वाले अन्य देशों के लिए इन बदलावों के कारण ऊर्जा सुरक्षा, अमेरिका को होने वाले निर्यात और ट्रंप प्रशासन के साथ संबंधों पर अलग-अलग असर पड़े हैं।

शुरुआत में 500% टैरिफ की चेतावनी : इस प्रस्ताव के शुरुआती ड्राफ्ट में उन देशों पर 500% तक टैरिफ लगाने की बात कही गई थी, जो रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते। इसका मकसद यह था कि जो देश रूस से ऊर्जा खरीदकर यूक्रेन में उसके युद्ध को आर्थिक मदद दे रहे हैं, उनके लिए अमेरिकी बाजार में व्यापार करना इतना महंगा कर दिया जाए कि वे ऐसा न कर सकें। जनवरी 2026 में ट्रंप ने एक ऐसे विधेयक का समर्थन किया जिसे रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम (जो अब नहीं रहे) आगे बढ़ा रहे थे। ग्राहम का तर्क था कि इस चेतावनी से अमेरिकी राष्ट्रपति को भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों पर दबाव बनाने का मौका मिलेगा। इससे वे रूस से मिलने वाले सस्ते कच्चे तेल की खरीद कम कर देंगे। इस प्रस्ताव में अमेरिका में रूस से होने वाले आयात पर कम से कम 500% टैरिफ लगाने की बात भी शामिल थी। इसका व्यापक मकसद रूस के साथ व्यापार करने की आर्थिक लागत को बढ़ाना और अन्य देशों को रूस के



साथ अपने ऊर्जा संबंधों पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर करना था। भारत के लिए स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण थी। कारण था कि फरवरी 2022 में रूस की ओर से यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस पर अपनी निर्भरता कम कर दी थी, तब भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद काफी बढ़ा दी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सस्ता तेल तलाश रही भारतीय रिफाइनरियों के लिए रूस से मिलने वाला कम कीमत वाला तेल काफी अहम हो गया। भारत का पक्ष यह था कि ऊर्जा की खरीद को वैश्विक बाजार की बदलती स्थितियों के अनुरूप होना चाहिए। साथ ही 1.4 अरब लोगों के लिए सस्ती ऊर्जा की सप्लाई सुनिश्चित करना भी जरूरी है। प्रस्तावित टैरिफ से यह डर पैदा हो गया था कि एनर्जी पॉलिसी को लेकर शुरू हुआ यह मामला वॉशिंगटन के साथ एक बड़े व्यापार विवाद में बदल सकता है।

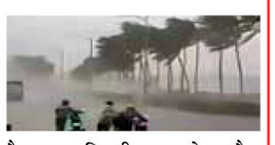
500% से 100% कैसे हुआ? : 500% का प्रस्ताव अपने मूल रूप में नहीं टिक सका। बाद में लाए गए कानून के एक संस्करण में रूसी ऊर्जा के प्रमुख खरीदारों पर लगाए जाने वाले अधिकतम टैरिफ की सीमा को घटाकर 100% कर दिया गया। इस बदले आउटलुक में मुख्य मेकेनिज्म वही रहा- अमेरिकी राष्ट्रपति रूसी तेल और गैस खरीदने वाले देशों के सामानों पर टैरिफ लगाकर, उन पर अपनी खरीद की आदतों को बदलने का दबाव डाल सकते थे। लेकिन, संभावित टैरिफ की दर पहले के प्रस्ताव की तुलना में काफी कम थी। 18 सितंबर, 2026 को ट्रंप की ओर से 'ग्राहम एक्ट' पर साइन हुए। इसके तहत, ट्रंप को रूसी ऊर्जा के दुनिया के पांच सबसे बड़े आयातकों पर 100% तक टैरिफ लगाने का अधिकार दिया गया। इसके साथ ही, मॉस्को के खिलाफ प्रतिबंधों का दायरा भी बढ़ाया गया। मौजूदा पाबंदियों से बचने की कोशिश करने वाली संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान भी जोड़ा गया। यह बदलाव भारत के लिए महत्वपूर्ण था। इतने बड़े पैमाने पर टैरिफ लगने से केवल कच्चे तेल का आयात ही नहीं, बल्कि अन्य चीजें भी प्रभावित हो सकती थीं। अमेरिका जाने वाले भारतीय सामानों पर अधिक टैरिफ लगने से निर्यातकों पर दबाव पड़ सकता था। दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता जटिल हो सकती थी। इस कानून ने नई दिल्ली के सामने एक मुश्किल स्थिति खड़ी कर दी। अगर भारत रूसी तेल की खरीद कम करता तो इससे उसकी ऊर्जा सप्लाई प्रभावित हो सकती थी।

100% टैरिफ से पूरी छूट तक

अगला बड़ा बदलाव 17 अक्टूबर को आया, जब ट्रंप ने 'ग्राहम एक्ट' के तहत छूट देने वाले प्रावधान का इस्तेमाल किया। उन्होंने एक कार्यकारी आदेश जारी करके अमेरिकी राष्ट्रीय हितों का हवाला देकर इस कानून के तहत लगाए गए कुछ प्रतिबंधों और टैरिफ को फिलहाल रोक दिया। इस आदेश से कानून खत्म नहीं हुआ। न ही राष्ट्रपति ने इसका इस्तेमाल करने का अपना अधिकार हमेशा के लिए छोड़ा है। इसके बजाय उन्होंने इन उपायों को फिलहाल के लिए रोक दिया है। लेकिन, भविष्य में इन्हें फिर से लागू करने का विकल्प खुला रखा है। यह फर्क समझना जरूरी है। 100% टैरिफ का प्रावधान अभी भी इस कानून का हिस्सा बना हुआ है। लेकिन, इस छूट की वजह से फिलहाल इन उपायों को लागू नहीं किया जाएगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिका की तात्कालिक प्राथमिकताओं में बदलाव आया है।

11 घंटे के अंदर 23 राज्यों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली



मानसून के खत्म होने के तुरंत बाद मौसम विभाग ने टेंशन भरा एक और अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक कल यानी 18 अक्टूबर को यूपी, बिहार, दिल्ली, पंजाब समेत 23 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 75 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से तूफानी हवा चलेगी। वहीं, इस आंधी का खतरनाक प्रभाव पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सबसे अधिक देखा जाएगा। वहीं, 3 पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी से लोगों की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। उत्तर भारत और पूर्वी भारत के कई राज्यों के जिलों में आकाशीय बिजली और वज्रपात गिरने की चेतावनी जारी की गई है। तेज आंधी के चलते जंगल के इलाकों में जाने से बचने की सलाह दी गई है। वहीं, मछुआरों को समुद्री किनारों से हटकर दूर सुरक्षित जगह जाने के लिए कहा गया है। भारी बारिश के चलते तापमान में 2 से 3 डिग्री की कमी देखी जा सकती है। दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी तक एक निम्न दबाव बन रहा है। 3 राज्यों में ओलावृष्टि हो सकती है। उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उसके आस-पास के इलाकों में एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। दक्षिण-पूर्वी राजस्थान और उससे सटे दक्षिणी मध्य प्रदेश के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद था। तो चलिए आज हम आपलोगों को बताते हैं कि कल यानी 18 अक्टूबर को देश के अन्य राज्यों में मौसम का हाल कैसा रहेगा। इसके अलावा हम जिलावार भी मौसम का हाल बताने जा रहे हैं...

देश के 23 राज्यों में भारी बारिश-आंधी की चेतावनी: मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक कल यानी 18 अक्टूबर को देश के 23 राज्यों यूपी, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, त्रिपुरा और नागालैंड में भारी बारिश-आंधी की चेतावनी जारी की गई है।

संक्षिप्त समाचार

जंतर-मंतर हिंसा की जांच के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने पोर्टल शुरू किया



नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की ओर से जुलाई 2026 में दिल्ली के जंतर-मंतर और दिल्ली के बाहर विभिन्न स्थानों पर हुई हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने प्रभावित लोगों की शिकायतें और सुझाव प्राप्त करने के लिए एक पोर्टल शुरू किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार समिति ने प्रभावित लोगों, पुलिसकर्मियों और अन्य संबंधित पक्षों की सुविधा के लिए http://hpec.nic.in पोर्टल शुरू किया है। इसके माध्यम से प्रभावित व्यक्ति अपनी शिकायतें, प्रतिवेदन और संबंधित सामग्री निर्धारित प्रारूप में जमा करा सकते हैं। समिति उच्चतम न्यायालय के 18 अगस्त 2026 के आदेश के पैराग्राफ 12 एवं 13 तथा 10 सितंबर 2026 के आदेश के पैराग्राफ 5(i) में उल्लिखित सभी मुद्दों की जांच करेगी। जांच में पैलेट गन के इस्तेमाल, महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाकर की गई हिंसा और उत्पीड़न तथा दोनों पक्षों की ओर से हुई अत्यधिक हिंसा और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्रालय के अनुसार पोर्टल को इस तरह तैयार किया गया है कि संवेदनशील गवाहों को उचित सुरक्षा मिल सके। प्रभावित व्यक्तियों की इच्छा होने पर उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी और सार्वजनिक नहीं की जाएगी।

लोकतंत्र में सरकार बदलना प्रक्रिया का हिस्सा : पी चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शनिवार को सरकार बदलना शब्द के इस्तेमाल का बचाव करते हुए इसे एक सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताया और कहा कि चुनावों के जरिए सरकार को हटाना विपक्ष का काम है। यह तब हुआ जब विपक्षी नेताओं और छात्र कार्यकर्ता ने वोट चोरी को लेकर इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) और चीफ इलेक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में चल रहे प्रदर्शन के बीच सरकार बदलना शब्द का इस्तेमाल किया। सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा कि प्रोटेस्ट अब सरकार बदलने की लड़ाई में बदल गया है और इसे नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार बताया। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) की अध्यक्ष नेहा बोरा ने बांग्लादेश के जेन जी मूवमेंट की भी तारीफ की थी, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह भारत में युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करता है, जिससे भाजपा को गुस्सा आया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भाजपा रिजीम चेंज शब्द के इस्तेमाल पर दिखावटी गुस्से से क्यों भड़क रही है? लोकतंत्र में रिजीम चेंज नॉर्मल है। उन्होंने कहा, विपक्ष का काम सरकार का विरोध करना, उसे बेनकाब करना और उसे हटाना है। इसका मतलब है राजनीति में विरोध करना, संसद में बेनकाब करना और चुनावों के जरिए उसे हटाना है। भाजपा ने इन बातों को इस बात का सबूत बताया है कि विरोध उनकी बताई गई मांगों से कहीं ज्यादा है और आरोप लगाया है कि भारत की इकॉनमी को अस्थिर करने के मकसद से एक बड़ा विवाद है।

लालकृष्ण आडवाणी अपोलो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती, हालत स्थिर



नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार को अस्पताल की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, वे फिलहाल आईसीयू में हैं और सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोलॉजी डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर है और डॉक्टर लगातार निगरानी कर रहे हैं। शनिवार सुबह ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा नई दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल पहुंचे और आडवाणी का हेल्थ अपडेट लिया। बता दें कि शुक्रवार देर शाम आडवाणी को अस्पताल लाया गया था। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के मुताबिक 98 वर्षीय आडवाणी को शाम 7:30 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसी साल मई में भी उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती किया गया था। कुछ दिनों तक इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। इससे पहले दिसंबर 2024 में भी पूर्व उप प्रधानमंत्री को मेडिकल जांच और इलाज के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। उस वक्त भी वे डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में थे। लालकृष्ण आडवाणी भाजपा के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं। उन्होंने तीन बार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है। वे 1986 से 1990 तक, 1993 से 1998 तक और 2004 से 2005 तक वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में अहम भूमिका निभाई।

राजनाथ सिंह की चेतावनी से तिलमिलाया पाकिस्तान, शीर्ष सैन्य कमांडर ने दी गीदड़भभकी

एजेंसी। नई दिल्ली



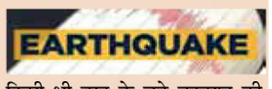
भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से सीमा पार आतंकवाद की किसी भी नई घटना पर पहले से ज्यादा आक्रामक जवाब देने की चेतावनी से पाकिस्तान तिलमिलाया है। इसी बेचैनी में उसके एक शीर्ष सैन्य कमांडर ने गीदड़भभकी दी है। कहा है कि किसी भी मिसकैलकुलेशन (गलत अनुमान) का जवाब ऐसा होगा, जिसकी कल्पना सीमा पार नहीं की गई होगी। पाकिस्तान के इस बयान को राजनाथ सिंह की सख्त चेतावनी के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ते बयानबाजी के तनाव के संदर्भ में देखा जा रहा है। प्रमुख पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आमेर रजा ने शनिवार को पाकिस्तान सैन्य अकादमी में पासिंग आउट परेड के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, परमाणु हथियारों से लैस क्षेत्र में युद्ध की कोई जगह नहीं है, और सेना का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाएं देश की सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रजा ने कहा, किसी भी गलत आकलन का जवाब उनकी कल्पना से परे होगा। सैन्य अधिकारी ने पाकिस्तान के खिलाफ कथित शत्रुतापूर्ण इरादों और दुष्प्रचार का भी जिक्र किया। उनकी यह टिप्पणी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने गुरुवार को कहा था कि सीमा पार से आतंकवाद की कोई भी नई घटना होने पर भारत का जवाब पिछली कार्रवाई से भी बड़ा होगा। रक्षा मंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को स्पष्ट करते हुए किसी भी नई चुनौती का कड़ा जवाब देने का संदेश दिया था। वहीं जियो न्यूज के मुताबिक कमांडर ने अपने खिलाफ किए जा रहे दुष्प्रचार का भी जिक्र किया। उन्होंने भारत का नाम लिए बगैर कहा, विरोधी पक्ष पाकिस्तान के खिलाफ दुष्प्रचार और नैरेटिव वॉरफेयर के जरिए जनता तथा सशस्त्र बलों के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष गतिविधियों के जरिए अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। पाकिस्तानी कमांडर ने अपने संबोधन में देश की रक्षा तैयारियों और राष्ट्रीय एकता पर जोर दिया। हालांकि, उनके बयान में भारत की चेतावनी के जवाब में किसी विशिष्ट सैन्य कार्रवाई की घोषणा नहीं की गई। इससे एक दिन पहले, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) ने भी सिंह की टिप्पणियों को उकसावे वाली आधिपत्यवादी मानसिकता वाला करार दिया था। राजनाथ सिंह ने 15 अक्टूबर को कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर, बालाकोट हवाई हमले और सर्जिकल स्ट्राइक ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में बदलाव को दर्शाया है।

माता रूपी सोरेन के दशकर्म पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने निभाई पारंपरिक रस्में



नेमरा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रामगढ़ जिले के अपने पैतृक गांव नेमरा स्थित आवास पर अपनी दिवंगत माता रूपी सोरेन के दशकर्म के अवसर पर परिजनों के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्रद्धापूर्वक भोजन परोसने की पारंपरिक रस्म निभाई और अपनी माता का भावपूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया।

सिंगरौली में महसूस हुए भूकंप के झटके, 3.5 रही तीव्रता



सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में शनिवार (17 अक्टूबर) की दोपहर को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गई है, जबकि इसका केंद्र जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

दोपहर में दर्ज किए गए झटके : मौसम विज्ञान से जुड़े शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, यह भूकंप शनिवार दोपहर 2 बजकर 12 मिनट 35 सेकंड पर आया। जमीन के भीतर हुई हलचल के कारण इसकी तीव्रता 3.5 दर्ज की गई और इसका एपीसेंटर (केंद्र) भूतल से 10 किलोमीटर नीचे था। हालांकि, इस कम तीव्रता के कारण किसी भी तरह के बड़े नुकसान की फिलहाल कोई सूचना नहीं है।

क्यों आते हैं भूकंप? : पृथ्वी के भीतर कुल सात बड़ी टेक्टोनिक प्लेट्स मौजूद हैं, जो निरंतर गति करती रहती हैं। ये प्लेट्स जहां आपस में सबसे ज्यादा टकराती हैं, उस क्षेत्र को फॉल्ट लाइन कहा जाता है। लगातार टकराव के कारण प्लेट्स के किनारे मुड़ने लगते हैं और जब अत्यधिक दबाव बनता है, तो ये टूटने लगती हैं। इसके बाद धरती के भीतर की ऊर्जा बाहर निकलने का रास्ता खोजती है और इसी उथल-पुथल के परिणामस्वरूप भूकंप आता है।

दिल्ली में लगातार प्रदर्शनों से व्यापारियों को 3,000 करोड़ रुपए का नुकसान, सप्लाई चेन भी टूटी: सीटीआई

एजेंसी। नई दिल्ली



दिल्ली में लगातार विरोध-प्रदर्शनों से व्यापारियों को होने वाले नुकसान पर चिंता जताते हुए उद्योग संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने शनिवार को कहा कि अक्टूबर में चल रहे प्रदर्शनों के कारण दिल्ली के व्यापार को अब तक लगभग 3,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। साथ ही, रास्ते बंद होने से सप्लाई चेन भी टूट गई है। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा, 10 अक्टूबर को हुए पहले प्रदर्शन में 2000 करोड़ रुपए और 13 से 16 अक्टूबर के बीच सेंट्रल दिल्ली में हुई नाकाबंदी, मेट्रो बंदी और सेंट्रल पार्क बंद होने से अतिरिक्त 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। उद्योग संगठन ने बताया कि इन विरोध प्रदर्शनों से नवरात्रि और दीपावली की पीक में खरीदारी ठप होने से सबसे अधिक नुकसान रिटेल क्षेत्र को हुआ है, जो कि करीब 1,800 करोड़ रुपए का रहा है। इससे सदर बाजार, चांदनी चौक, कश्मीरी गेट, चावड़ी बाजार, भागीरथ प्लेस, गांधी नगर, नया बाजार, खारी बावली, करावल नगर, करोल बाग, लाजपत राय मार्केट, कनॉट प्लेस सहित दिल्ली के 700 से ज्यादा बाजार प्रभावित हुए। वहीं, सोनीपत, पानीपत, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद और राजस्थान से दिल्ली आने वाले 3-4 लाख थोक खरीदार के नहीं आने से थोक व्यापार को करीब 600 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, ट्रकों की आवाजाही रुकने से सप्लाई चेन भी टूट गई है, जिससे त्योहारों के लिए तैयार समान गोदामों में ही पड़ा हुआ है। सीटीआई ने बताया कि इसके अलावा, इन विरोध-प्रदर्शनों से हॉस्पिटैलिटी और सर्विस सेक्टर को 300 करोड़ रुपए, ट्रांसपोर्ट, ऑटो-टैक्सी और टूरिज्म को 180 करोड़ रुपए और अनौपचारिक सेक्टर (दिहाड़ी मजदूर, कारीगर, लोडिंग) को 120 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। गोयल ने आगे कहा, नवरात्रि, रामलीला और दीपावली हमारे लिए पूरे साल की कमाई का एकमात्र महीना है।

शिशुओं के खाद्य उत्पादों में चीनी पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव

एजेंसी। नई दिल्ली



शिशुओं के पोषण संबंधी सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए खाद्य नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने छह माह तक के शिशुओं के खाद्य उत्पादों में फ्रुक्टोज और सुक्रोज मिलाने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया है। एफएसएसएआई ने शनिवार को 'एक्स' पर जारी पोस्ट में बताया कि छह महीने तक के शिशुओं के लिए बने खाद्य उत्पादों में सुक्रोज और फ्रुक्टोज मिलाने पर रोक लगाकर, शिशु पोषण मानकों को और मजबूत करने के लिए यह प्रस्ताव किया गया है। नियामक ने बताया कि खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण के लिए खाद्य पदार्थ) विनियम, 2020 में संशोधन का मसौदा प्रकाशित किया गया है। इसमें छह माह तक की आयु के शिशुओं के लिए निर्धारित खाद्य उत्पादों में सुक्रोज और फ्रक्टोज मिलाने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव किया गया है। एफएसएसएआई ने कहा कि इस प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य शिशुओं को शुरुआती उम्र में ही अतिरिक्त शर्करा (एडेड शुगर) के संपर्क में आने से बचाना है। यह कदम बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और बचपन के मोटापे को रोकने के लिए उठाया गया है। खाद्य नियामक की ओर से भारत के राजपत्र में 16 अक्टूबर को प्रकाशित खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण के लिए खाद्य पदार्थ) संशोधन विनियम, 2026 के मसौदे का उद्देश्य मौजूदा नियामक ढांचे को और सुदृढ़ करना है। मौजूदा विनियमों में जन्म से लेकर 24 माह तक के बच्चों के लिए निर्धारित विभिन्न श्रेणियों के शिशु पोषण उत्पादों की पोषण संरचना, गुणवत्ता और सुरक्षा के व्यापक मानक निर्धारित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य सुरक्षा और मानक के मौजूदा प्रावधानों के तहत लैक्टोज और ग्लूकोज पॉलिमर कार्बोहाइड्रेट के पसंदीदा स्रोत हैं, जबकि सुक्रोज या फ्रक्टोज को निर्धारित सीमाओं के अधीन केवल तभी मिलाने की अनुमति है, जब कार्बोहाइड्रेट के स्रोत के रूप में उनकी आवश्यकता हो।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रैवलर बस पुलिया से गिरी, 8 की मौत, कई घायल

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह मध्य प्रदेश से जयपुर जा रही एक ट्रैवलर बस सीमलिया थाना क्षेत्र में अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए करीब 20 फीट नीचे बरसाती नाले में जा गिरी। इस दर्दनाक दुर्घटना में अब तक 8 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 15 से ज्यादा यात्री गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। यह हादसा सुबह करीब 7 बजे कराड़िया टोल प्लाजा पार करने के बाद सुल्तानपुर की तरफ जाने वाले रास्ते पर हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच से पता चला है कि वाहन तेल गति और चालक को नींद की झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। चालक वाहन को संभाल नहीं पाया, जिसके परिणामस्वरूप ट्रैवलर बस सीधे पुलिया से नीचे जा गिरी। गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटनास्थल पर यात्रियों की चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते एक्सप्रेसवे पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को नाले से बाहर निकालने के प्रयास किए गए और उन्हें एंबुलेंस के जरिए कोटा और एमबीएस में भर्ती कराया गया।

दवा फैक्ट्री में रिएक्टर ब्लास्ट होने से पांच मजदूरों की मौत, छह घायल

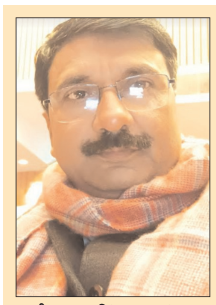
भरूच। गुजरात के भरूच जिले में सिंजील फार्माकेम नाम की दवा फैक्ट्री में रिएक्टर में हुए जोरदार धमाके से पांच मजदूरों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। धमाके के बाद फैक्ट्री में जहरीली गैस का रिसाव होने से परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब फैक्ट्री में 15 हजार लीटर क्षमता वाले रिएक्टर में काम चल रहा था। इसी दौरान रिएक्टर में जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि रिएक्टर के टुकड़े उड़कर फैक्ट्री की चारदीवारी के बाहर जा गिरे। धमाके की आवाज करीब 15 किलोमीटर दूर तक सुनाई देने की बात कही जा रही है। विस्फोट के प्रभाव से फैक्ट्री में लगी भारी मशीनों और लोहे की चादरों को भी नुकसान पहुंचा। धमाके के बाद उपकरणों के टूटे हिस्से परिसर में बिखर गए। अचानक हुए इस हादसे से फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मचारियों के बीच दहशत फैल गई।

सम्पादकीय

खेलों में पदक चाहिए, तो जवाबदेही भी तय करनी होगी



देश के अनेक खेल संघों में ऐसे लोग शीर्ष पदों पर काबिज हैं, जिनकी खेलों में कोई पृष्ठभूमि नहीं रही है। एशियाई खेलों में एथलेटिक्स और बैडमिंटन जैसे खेलों में अपेक्षित पदक नहीं मिले, तो खेल मंत्रालय समीक्षा बैठक करता है। पिछली एशियाई खेलों के मुकाबले इस बार पदकों की संख्या में कमी निश्चित रूप से चिंता का मामला है। मगर क्या कभी उन लोगों की जवाबदेही भी तय होती है, जिनके हाथों में खेलों का प्रशासन है? खिलाड़ियों से पदक जीतने की अपेक्षा की जाती है, तो क्या खेल संगठनों के पदाधिकारियों से नतीजों का हिसाब मांगा जाता है? देश के अनेक खेल संघों में ऐसे लोग शीर्ष पदों पर काबिज हैं, जिनकी खेलों में कोई पृष्ठभूमि नहीं रही है। प्रशासनिक अनुभव जरूरी है, लेकिन खेल की बारीकियों, खिलाड़ियों की समस्याओं और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों की समझ भी नेतृत्व की अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। विडंबना है कि खिलाड़ियों के भविष्य से जुड़े फैसले लेने वाली व्यवस्था में कई बार उनकी आवाज कमजोर पड़ जाती है। सवाल है कि पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा और जवाबदेही तय करने का प्रभावी तंत्र क्यों नहीं है? जब पद प्रतिष्ठा व प्रभाव का माध्यम बन जाएं, तो खेल हित का पीछे छूटना लाजिमी है। दूसरी बड़ी चुनौती प्रतिभाओं की खोज है। गांवों और छोटे कस्बों में अनेक ऐसे बच्चे हैं, जो उचित प्रशिक्षण, उपकरण और अवसर मिलने पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेर सकते हैं। मगर प्रतिभाओं की पहचान अगर संयोग पर निर्भर हो, तो यह व्यवस्था की विफलता है। कितने ही संभावित और बेहतरीन खिलाड़ी संसाधनों के अभाव में खेल छोड़ देते हैं। कितनों को केवल इसलिए अवसर नहीं मिलता कि उनके पास उच्च संपर्क नहीं हैं। प्रतिभा को शुरूआती स्तर पर पहचानने और उसे निखारने की व्यवस्थित पहल के बिना पदक बढ़ाने के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे। खेलों में सुधार के लिए बजट और घोषणाओं से आगे बढ़ना होगा। खेल संगठनों के कामकाज का स्वतंत्र मूल्यांकन, पारदर्शी चयन प्रक्रिया, योग्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति और प्रतिभा खोज की जवाबदेह व्यवस्था बनानी होगी। मंत्रालय को समीक्षा बैठकों के निष्कर्षों पर कार्रवाई का हिसाब भी सार्वजनिक करना चाहिए। जब तक खेल व्यवस्था में खिलाड़ी सर्वोपरि नहीं होंगे, तब तक पदक की महत्त्वाकांक्षा और उपलब्धियों के बीच की दूरी बनी रहेगी।


सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

दशहरा: शौर्य, साधना एवं नवसंकल्प का महापर्व

ललित गर्ग





भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसने जीवन के उत्सवों को केवल आनंद और उल्लास तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें आत्मचिंतन, साधना, संस्कार और जीवन-परिवर्तन का माध्यम बनाया है। यहां प्रत्येक पर्व अपने भीतर कोई न कोई शाश्वत संदेश समेटे हुए है। दशहरा अथवा विजयादशमी ऐसा ही प्रेरणाप्रद पर्व है, जो भारतीय संस्कृति की गहरी जड़ों, आध्यात्मिक परंपराओं और जीवन-दर्शन से जुड़कर मनुष्य को सत्य, साहस, सदाचार और आत्मविजय की राह दिखाता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन की वास्तविक विजय दूसरों को पराजित करने में नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान दुर्बलताओं, विकारों और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने में है। असत्य पर सत्य, अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और अधर्म पर धर्म की विजय का यह उत्सव भारतीय जनमानस में सदियों से नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया संकल्प भरता आया है।

दशहरे की सांस्कृतिक चेतना का सबसे प्रभावशाली आधार भगवान श्रीराम की रावण पर विजय है। रामायण का यह प्रसंग केवल एक ऐतिहासिक अथवा पौराणिक युद्ध की परिणति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और अहंकार के बीच संघर्ष का शाश्वत आख्यान है। श्रीराम मयार्दा, करुणा, सत्य, कर्तव्य और धर्मनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि रावण ज्ञान, सामर्थ्य और वैभव से संपन्न होने के बावजूद अहंकार, अनियंत्रित इच्छाओं और अनैतिक आचरण का प्रतीक बन जाता है। रावण का व्यक्तित्व इस सत्य को उजागर करता है कि ज्ञान यदि विवेक से, शक्ति यदि मयार्दा से और समृद्धि यदि नैतिकता से विमुख हो जाए, तो मनुष्य के पतन का कारण बन जाती है। श्रीराम की विजय इसलिए महत्वपूर्ण है कि उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों का परित्याग नहीं किया। दशहरा हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी ही कठिन क्यों न हों, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अंततः समाज की आस्था और इतिहास की प्रेरणा बनता है। भारतीय संस्कृति में दशहरे का संबंध केवल राम की विजय से नहीं, बल्कि मां दुर्गा की महिषासुर पर विजय से भी जुड़ा है। नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति की आराधना और दसवें दिन विजयादशमी का उत्सव इस बात का प्रतीक है कि साधना के बाद सिद्धि, संघर्ष के बाद सफलता और आत्मबल के जागरण के बाद विजय का मार्ग प्रशस्त होता है। मां दुर्गा की उपासना हमें यह संदेश देती है कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए शक्ति और संवेदना, साहस और विवेक तथा पराक्रम और करुणा का समन्वय आवश्यक है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शक्ति का अर्थ केवल बाहुबल अथवा प्रभुत्व नहीं है, बल्कि आत्मबल, इच्छाशक्ति, धैर्य, आत्मसंयम और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की नैतिक क्षमता भी है। इसीलिए दशहरा शक्ति की साधना के साथ-साथ उस शक्ति के सदुपयोग का भी पर्व है। दशहरा पर्व का आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत गहरा है। बाहरी रावण का दहन तभी सार्थक है, जब मनुष्य अपने भीतर बैठे रावण को पहचानने और परास्त करने का साहस जुटाए। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी जैसी प्रवृत्तियां मनुष्य के व्यक्तित्व को भीतर से दुर्बल बनाती हैं। रावण के दस सिरों को इन दस विकारों के प्रतीक के रूप में भी देखा जा सकता है। प्रतिवर्ष रावण के पुतले जलते हैं, आतिशबाजी होती है और उत्सव संपन्न हो जाता है, लेकिन यदि हमारे भीतर ईर्ष्या, छल, स्वार्थ, द्वेष और अहंकार जीवित रहें, तो विजयादशमी का मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है। सच्चा दशहरा वह है, जब हम किसी के प्रति अपने मन में पल रहे द्वेष को समाप्त करें, अपने व्यवहार से छल को निकालें, अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को स्वीकारें और अपनी सफलता में दूसरों के योगदान को भी सम्मान दें। आत्मविजय ही सभी विजयों का आधार है।

भारतीय संस्कृति उत्सव को साधना और साधना को जीवन की श्रेष्ठता से जोड़ती है। विजयादशमी इसी परंपरा का जीवंत उदाहरण है। इस दिन शस्त्रपूजा की जाती है, नए कार्यों का शुभारंभ होता है और विजय की कामना के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प लिया जाता है। शस्त्रपूजा का वास्तविक अर्थ केवल अस्त्रों की आराधना नहीं, बल्कि शक्ति के प्रति श्रद्धा और उसके उत्तरदायी उपयोग का संकल्प है। आज के संदर्भ में हमारे शस्त्र ज्ञान, विवेक, शिक्षा, विज्ञान, श्रम, नैतिकता और सत्यनिष्ठा भी हैं। यदि इन शक्तियों का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया जाए, तो वे राष्ट्रनिर्माण के प्रभावशाली साधन बन सकती हैं। दशहरा हमें अकर्मण्यता से कर्मशीलता, निराशा से आशा और निष्क्रियता से सृजनशीलता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह दिन अपने अधूरे संकल्पों को पूरा करने, नई संभावनाओं के द्वार खोलने और जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने का अवसर है।

दशहरे का एक महत्वपूर्ण पक्ष प्रकृति, कृषि और लोकजीवन से उसका संबंध भी है। भारतीय समाज में यह पर्व फसल, समृद्धि, ऋतु-परिवर्तन और सामुदायिक उल्लास की परंपराओं से जुड़ा रहा है। शमी वृक्ष की पूजा, उसके पत्तों का आदान-प्रदान और नए कार्यों का शुभारंभ प्रकृति के प्रति श्रद्धा तथा मंगलकामना की भावना को व्यक्त करते हैं। कृषि प्रधान भारत में फसल की समृद्धि केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि धरती, किसान और प्रकृति के परस्पर सहयोग का उत्सव भी है। यह परंपरा हमें याद दिलाती है कि मनुष्य की प्रगति प्रकृति से अलग होकर संभव नहीं है। जिस संस्कृति ने वृक्षों, नदियों, पर्वतों और धरती में पवित्रता का अनुभव किया, उसकी उत्सवधर्मिता में पर्यावरण संरक्षण और सह-अस्तित्व की प्रेरणा भी अंतर्निहित है। आज जब पर्यावरणीय संकट मानवता के सामने गंभीर चुनौती बन रहा है, तब दशहरा हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पुनः समझने का अवसर देता है। विजयादशमी भारतीय संस्कृति की समन्वयकारी चेतना का भी उत्सव है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे विविध रूपों में मनाया जाता है। कहीं रामलीला और रावण-दहन होता है, कहीं दुर्गापूजा के बाद मां की विदाई, कहीं शस्त्रपूजा तो कहीं लोकपरंपराओं के माध्यम से विजय का उल्लास व्यक्त किया जाता है। इन विविधताओं के पीछे एक साझा सांस्कृतिक सूत्र है-सत्य के प्रति आस्था, धर्म के प्रति निष्ठा, शक्ति के प्रति सम्मान और जीवन में मंगल की कामना। आज दशहरे के संदेश को अपने सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन में उतारना पहले से अधिक आवश्यक है। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक विद्वेष, अनैतिक प्रतिस्पर्धा, छलपूर्ण व्यवहार और स्वार्थपरक राजनीति जैसी प्रवृत्तियां समाज की नैतिक शक्ति को कमजोर करती हैं। इन बुराइयों का अंत केवल भाषणों, नारों अथवा प्रतीकात्मक आयोजनों से नहीं हो सकता। इसके लिए व्यक्तिगत चरित्र, सामाजिक उत्तरदायित्व और संस्थागत ईमानदारी को मजबूत करना होगा। यदि हम अपने कार्यक्षेत्र में प्रामाणिकता अपनाएं, सार्वजनिक जीवन में कर्तव्यनिष्ठ रहें, शिक्षा और चिकित्सा को मानवीय संवेदना से जोड़ें तथा समाज में प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा दें, तो यही दशहरे की वास्तविक साधना होगी। राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी आर्थिक समृद्धि, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, नैतिकता, अनुशासन और परस्पर विश्वास में भी निहित होती है।

दशहरा अंततः बाहरी विजय से अधिक आंतरिक जागरण का पर्व है। यह हमें अपने भीतर प्रकाश का दीप जलाने, निराशाओं के बीच आशा खोजने, कठिनाइयों में साहस बनाए रखने और जीवन को नवसृजन की दिशा देने का संदेश देता है। आइए, इस विजयादशमी पर हम केवल रावण का पुतला जलाने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, स्वार्थ, असत्य और दुर्बलताओं को समाप्त करने का संकल्प लें। सत्य को अपना आधार, विवेक को अपना मार्गदर्शक, करुणा को अपना स्वभाव और कर्म को अपनी साधना बनाएं। यही भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक विरासत का सम्मान है, यही उत्सव की सार्थकता है और यही वह विजय है, जो व्यक्ति के जीवन को प्रकाशित करते हुए परिवार, समाज और राष्ट्र में नई चेतना का संचार कर सकती है। क्योंकि सच्चा दशहरा तभी है, जब रावण का दहन मैदान में ही नहीं, मन में भी हो; विजय का उत्सव केवल आतिशबाजी में नहीं, आचरण में दिखाई दे; और प्रकाश केवल दीपों में नहीं, हमारे विचारों, संस्कारों तथा कर्मों में भी प्रकट हो।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उन्माद और वैश्विक बाजार की चिंता

महेन्द्र तिवारी

रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोस्पी 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को इक्कीसवीं सदी की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में गिना जा रहा है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, संचार और प्रशासन तक इसका विस्तार नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। बड़ी कंपनियां इस तकनीक को विकसित करने और अपने कारोबार में शामिल करने के लिए भारी धनराशि खर्च कर रही हैं। लेकिन जब किसी नई तकनीक के प्रति उम्मीदें बहुत तेजी से बढ़ती हैं, तब उसके साथ जुड़े आर्थिक जोखिम भी बढ़ने लगते हैं। 15 अक्टूबर 2026 को वैश्विक शेयर बाजारों में दिखाई दी उथल-पुथल ने इसी प्रश्न को सामने ला दिया है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता में किया जा रहा विशाल निवेश भविष्य में अपेक्षित लाभ दे पाएगा।

रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोस्पी 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान गिरावट इतनी तेज थी कि कुछ समय के लिए व्यापार रोकना पड़ा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी प्रमुख अर्धचालक कंपनियों के शेयरों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। जापान का शेयर बाजार भी इस वैश्विक दबाव से अछूता नहीं रहा। इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दिलचस्पी के साथ-साथ उनकी आशंकाएं भी बढ़ रही हैं। इस गिरावट के पीछे केवल शेयरों की कीमतों में पहले आई तेजी नहीं थी। इसके साथ अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक बने रहने और ब्याज दरों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता का भी संबंध था।



जब ब्याज दरें ऊंची रहती हैं, तब कंपनियों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाता है। भविष्य में मिलने वाले लाभ का वर्तमान मूल्य भी कम हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनेक कंपनियां ऐसे उपकरणों और प्रतिष्ठानों पर भारी धनराशि खर्च कर रही हैं, जिनसे वास्तविक आय प्राप्त होने में कई वर्ष लग सकते हैं। इसलिए महंगे कर्ज और अनिश्चित लाभ का मेल निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आधुनिक ढांचा तैयार करना साधारण काम नहीं है। इसके लिए अत्यंत शक्तिशाली संगणक, उन्नत अर्धचालक चिपें, विशाल आंकड़ा केंद्र, निरंतर बिजली आपूर्ति और प्रभावी शीतलन प्रणालियां चाहिए। इन सबके निर्माण और संचालन में भारी पूंजी लगती है। कंपनियां इस उम्मीद में निवेश कर रही हैं कि आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मांग तेजी से बढ़ेगी और उनके द्वारा तैयार की गई संगणना क्षमता का पर्याप्त उपयोग होगा। लेकिन यदि मांग अनुमान से कम रही या ग्राहकों ने अपेक्षित धनराशि खर्च नहीं की, तो कंपनियों के लिए अपने निवेश से पर्याप्त लाभ कमाना कठिन हो सकता है।

अमेरिकी कंपनी कोरवीव का उदाहरण इस चिंता को समझने में मदद करता है। यह कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी संगणना सेवाएं उपलब्ध कराती है। रॉयटर्स की 15 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी पर लगभग 50 अरब डॉलर का कर्ज है। उसके शेयरों में लगातार गिरावट आई और उसके कुछ बांडों पर मिलने वाला प्रतिफल भी बहुत बढ़ गया। इससे निवेशकों ने कंपनी की वित्तीय क्षमता और कर्ज चुकाने की योग्यता पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि उसके पास भविष्य में आय देने वाले अनुबंधों का बड़ा भंडार है। यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य के अनुबंधों का बड़ा मूल्य होना और समय पर पर्याप्त नकदी प्राप्त होना अलग-अलग बातें हैं। किसी कंपनी को कर्मचारियों के वेतन, बिजली, उपकरणों, ब्याज और ऋण की किस्तों का भुगतान लगातार करना पड़ता है। यदि आय आने में देरी होती है, तो अच्छे अनुबंध होने के बावजूद वित्तीय दबाव पैदा हो सकता है। इसके विपरीत, यदि मांग मजबूत रहती है और कंपनी अपने अनुबंधों को वास्तविक आय में बदल पाती है, तो भारी निवेश लाभदायक भी साबित हो सकता है। इसलिए किसी कंपनी के शेयरों में गिरावट को उसके कारोबार के समाप्त होने का प्रमाण मानना उचित नहीं है।

इस घटनाक्रम ने सरकारी बांडों की भूमिका को भी फिर चर्चा में ला दिया है। जब निवेशकों को शेयर बाजार में अधिक जोखिम दिखाई देता है, तब वे अपनी पूंजी का कुछ हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों में लगाते हैं। इससे इन बांडों की मांग बढ़ सकती है और उनकी कीमतों में तेजी आ सकती है। सामान्यतः बांड की कीमत और उससे मिलने वाला प्रतिफल विपरीत दिशा में चलते हैं। 15 अक्टूबर को वैश्विक बाजारों में सरकारी बांडों की ओर बढ़ते रुझान को इसी संदर्भ में देखा गया। हालांकि सरकारी बांड भी ब्याज दरों में बदलाव से प्रभावित होते हैं, इसलिए उन्हें हर परिस्थिति में पूरी तरह जोखिममुक्त नहीं माना जा सकता। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वर्तमान विस्तार किसी आर्थिक बुलबुले का रूप ले रहा है। आर्थिक बुलबुले की स्थिति तब बन सकती है, जब किसी परिसंपत्ति का बाजार मूल्य उसकी वास्तविक कमाई और दीर्घकालीन संभावनाओं से बहुत आगे निकल जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में कुछ कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन, भारी कर्ज और भविष्य की आय को लेकर अनिश्चितता ने इस आशंका को बढ़ाया है। फिर भी पूरे उद्योग को एक ही दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। कुछ कंपनियों के पास पर्याप्त नकदी, मजबूत ग्राहक आधार और विविध कारोबार हैं, जबकि कुछ कंपनियां विस्तार के लिए लगातार कर्ज पर निर्भर हैं। दोनों की वित्तीय स्थिति और जोखिम अलग-अलग हैं।

लघुकथा

दर्द

पता नहीं क्यों लोग चुनाव के समय कर्मठ प्रत्याशी नहीं चुनते हैं.. जो धरातल पर काम करें.. उस समय तो उन्हें पैसा, शराब अपनी जातवाला दिखता है. और वही लोग चुनाव के बाद अपनी जरूरत के लिए सड़क पर उतर आते हैं... सुधा किचन में काम कर रही थी तभी किसी ने घंटी बजाई. वह साड़ी के पल्लू से हाथ पोंछती हुई खिड़की में से झांक कर देखा तो उसका पति विनोद घायल था और साथ में उसको सहारा दिए हुए दो पुलिस वाले थे. पति को ऐसे हालात में देखकर एक बार तो सुधा घबरा गई और जल्दी से दरवाजा खोला. दोनों सिपाहियों ने सहारा देकर विनोद को बैठक में सोफे पर लिटा दिया और उसकी दवाइयां देकर चले गए. विनोद सिपाही था, उसकी वर्दी खून से तरबतर थी.

उसकी हालत देखकर सुधा रोने लगी तो विनोद ने उसे शांत करते हुए कहा, मैं ठीक हूं परेशान मत हो. लेकिन सुधा पत्नी थी, उसे कैसे संतोष होता उसका पति इतनी घायल अवस्था में था. उसने विनोद के कपड़े बदलवाते हुए पूछा, इतना चोट कैसे लग गया प्रदर्शन तो शांतिपूर्ण था? तो विनोद बोला, लोग कब ऊपद्रव करने पर आमादा हो जाए.. कुछ कहा नहीं जा सकता है .. आज भी वही हुआ लोग अपना आपा खो बैठे और पुलिस वालों पर ही हमला करने लगे.. पता नहीं क्यों लोग चुनाव के समय कर्मठ प्रत्याशी नहीं चुनते हैं.. जो धरातल पर काम करें.. उस समय तो उन्हें पैसा, शराब अपनी जातवाला दिखता है. और वही लोग चुनाव के बाद अपनी जरूरत के लिए सड़क पर उतर आते हैं. अरे जब भ्रष्टाचारी और करप्ट विधायक खुद चुनते हैं तो किस मुंह से यह प्रोटेस्ट करते हैं.. लालच खुद करते हैं और बीच में पुलिस को पिसना पड़ता है! सुधा विनोद की बातें सुनकर अपने पति से ज्यादा पुलिस का दर्द महसूस कर रही थी.

कहानी

वापसी

कालिन शेरार्ड एक अनुभवी अंतरिक्ष यात्री था, जो अपने साथियों के साथ अंतरिक्ष यान में गहरे अंतरिक्ष की खोज पर निकला हुआ था। यह यात्रा सामान्य नहीं थी, बल्कि एक ऐसे क्षेत्र की ओर थी जहाँ पहले किसी मनुष्य ने कदम नहीं रखा था। सभी यान शांत गति से अंतरिक्ष में आगे बढ़ रहे थे, लेकिन अचानक एक बड़ा हादसा हो गया। शेरार्ड का यान नियंत्रण खो बैठा और दुर्घटनाग्रस्त होकर एक अनजान ग्रह पर गिर गया। इस टक्कर में वह बेहोश हो गया और यान का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जब उसे होश आया तो उसने खुद को एक अजीब और अनजानी जगह पर पाया। चारों ओर सुनसान और डरावना वातावरण था। जमीन काली और जली हुई लग रही थी, जैसे किसी भयानक आग ने उसे वर्षों पहले राख कर दिया हो। पास ही उसका टूटा हुआ यान पड़ा था, जिससे धुआँ निकल रहा था। दूर एक विशाल पहाड़ी दिखाई दे रही थी, जिसकी सतह भी काली और कठोर थी। वातावरण में एक अजीब सी गर्मी फैली हुई थी, जो हर पल बढ़ती जा रही थी। शेरार्ड ने आसमान की ओर देखा तो वहाँ अनगिनत तारे चमक रहे थे, लेकिन उनमें से एक तारा बहुत बड़ा और अत्यधिक चमकीला था। उसकी चमक और गर्मी इतनी तेज थी कि शेरार्ड को लगा मानो वह सूर्य के बहुत पास आ गया हो। उसने सोचा कि क्या वह पृथ्वी के सूर्य के इतने करीब पहुँच गया है, लेकिन यह विचार उसे असंभव लगा। फिर उसे एहसास हुआ कि शायद वह किसी ऐसे ग्रह पर है जहाँ तापमान अत्यधिक है, जैसे इकारस। गर्मी इतनी भयानक थी कि शेरार्ड को लगने लगा कि यदि सूरज और ऊपर चढ़ा तो वह जिंदा नहीं बच पाएगा। उसका शरीर धीरे-धीरे जलन महसूस करने लगा और चारों ओर का वातावरण उसे मौत के करीब ले जा रहा था। वह समझ गया कि अगर उसके साथी समय पर नहीं पहुँचे, तो उसका बचना लगभग असंभव है। उसके मन में डर और निराशा दोनों एक साथ बढ़ रहे थे। उसने अपने यान के नियंत्रण कक्ष में जाकर संपर्क साधने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। वह पूरी तरह अकेला पड़ चुका था। अब उसके पास केवल एक ही उपाय था–किसी बड़ी चट्टान के पीछे छिपकर कुछ समय तक खुद को सूरज की तेज किरणों से बचाना। लेकिन उसे यह भी समझ आ रहा था कि यह उपाय सिर्फ कुछ समय की राहत देगा, स्थायी समाधान नहीं था। उस क्षण उसे अपने परिवार की याद आने लगी। पत्नी और बच्चों के चेहरे उसकी आँखों के सामने आने लगे। लेकिन वह जानता था कि यह सोचने का सही समय नहीं है। उसे अपनी जान बचाने का कोई रास्ता खोजना था। मन ही मन वह सोचने लगा कि इंसान क्यों ऐसी खतरनाक यात्राएँ करता है, जहाँ जीवन का कोई भरोसा नहीं होता। फिर भी उसके अंदर एक वैज्ञानिक और खोजी भावना उसे आगे बढ़ने से रोक नहीं रही थी। वह एक बड़ी चट्टान के पीछे जाकर छिप गया और सूर्य के उगने का इंतजार करने लगा। धीरे-धीरे रात खत्म होने लगी और आसमान हल्का होने लगा। शेरार्ड समझ गया कि अब उसके जीवन के कुछ ही क्षण बाकी हैं। उसने मानसिक रूप से खुद को तैयार कर लिया और पृथ्वी, चाँद, अपने दोस्तों और परिवार को अंतिम विदाई देने लगा। उसे लग रहा था कि यह उसका अंतिम समय है। जैसे ही सूरज क्षितिज से ऊपर आने लगा, गर्मी और बढ़ने लगी। शेरार्ड का शरीर पसीने से भीग गया था और वह लगभग हार मान चुका था। तभी अचानक उसे आसमान में एक चमकती हुई वस्तु दिखाई दी, जो किसी तारे से भी अधिक तेज चमक रही थी। वह वस्तु धीरे-धीरे उसकी ओर बढ़ रही थी और उसमें से प्रकाश परावर्तित हो रहा था। शेरार्ड ने ध्यान से देखा तो उसे समझ आया कि यह कोई तारा नहीं बल्कि एक अंतरिक्ष यान है। उसे तुरंत एहसास हुआ कि यह उसके साथियों का यान है जो उसे खोजते हुए यहाँ पहुँच चुके हैं। उसके भीतर एक नई उम्मीद जाग उठी और उसका हौसला फिर से लौट आया। उसने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू किया ताकि वे उसे देख सकें। थोड़ी ही देर में यान उसके बिल्कुल ऊपर आ गया। यान से एक सीढ़ी नीचे उतारी गई और कप्तान मैकलेलान की आवाज सुनाई दी, जो उसे निर्देश दे रहे थे। शेरार्ड ने पूरी ताकत से जवाब दिया कि वह वहीं है और मदद की जरूरत है। उसके साथी तेजी से नीचे उतरे और उसे सुरक्षित रूप से यान में खींच लिया। जैसे ही शेरार्ड यान के अंदर पहुँचा, वह मौत के खतरे से बाहर आ चुका था। कुछ ही क्षण पहले जहाँ उसका जीवन समाप्त होने वाला था, वहीं अब वह सुरक्षित था। यान तेजी से उस खतरनाक ग्रह से दूर उड़ गया। शेरार्ड ने राहत की साँस ली और अपने साथियों का आभार व्यक्त किया। उसने महसूस किया कि विज्ञान और तकनीक के साथ-साथ समय पर मिली मदद भी जीवन बचाने में कितनी महत्वपूर्ण होती है। यह अनुभव उसके जीवन का सबसे खतरनाक लेकिन सबसे यादगार क्षण बन गया।

बैंगन का भर्ता

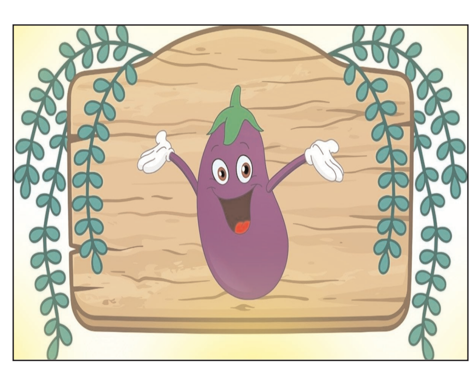
संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

पति ने कल्पना की कि पत्नी यह भी कह सकती है कि पता नहीं बैंगन कितने पुराने पौधे में लटके होंगे । उस पौधे को लगाने वाला व्यक्ति कैसा होगा जिसकी वजह से बैंगनों का ऐसा भर्ता बना। लेकिन पत्नी ने ठोक बजाकर कहा, इन बैंगनों का रंग भी कुछ उड़ा उड़ा सा था। कई टेढ़ी मेढ़ी लकीरें भी इन पर थी।

बाजार से गोभी, गाजर और बैंगन आए। उन्हें बिना काटे नहाए फ्रिज में प्रवेश दिया गया ताकि पारिवारिक परम्परा का उचित सम्मान जारी रहे। इस प्रथा के अंतर्गत आधा दर्जन सब्जियां कई दिनों तक अडोस पड़ोस में रह सकती हैं लेकिन समझा नहीं जाता कि आज रात को कौन सी सब्जी खाएं । बनने, खाने और बचने के बाद सब्जी फ्रिज में ठंडी रहती है और चर्चा गर्म कि दोपहर में क्या बनेगा। यह व्यव्हारिक समस्या राष्ट्रीय है। लाखों कुक खाना पकाते हुए रीलें पका रहे हैं, अखबार और पत्रिकाएं सिखा रही हैं लेकिन यह मसला फ्रिज का स्थाई वासी है। खैर, बात बैंगन की है जो बाजार से आकर, ठंड में इंतजार कर रहे हैं कि कब उनका भर्ता बनेगा। बैंगन उदास और उपेक्षित सही लेकिन चर्चा में रहते हैं। थाली के बैंगन हमेशा अपना रुतबा कायम रखते हैं और असामाजिक आलुओं को रिझाते रहते हैं। लीजिए, कई दिन बाद वह शुभ समय आया जब रात के खाने में बैंगन का भर्ता बनना सुनिश्चित हुआ। उस दिन कुछ साधारण खाना बनना था। भर्ता बनने की प्रक्रिया के दौरान जब हवा में भूने गए बैंगनों को आपस में मिलाने लगे तो उनके नाराज हिस्सों ने मिलने जुलने में हिचकिचाहट बरती।

पत्नी ने घोषणा की, आज भर्ता ठीक से नहीं बन रहा है। बैंगन अच्छी तरह से फ्राय नहीं हुए, कहीं कहीं से कच्चे रह गए। मिक्स नहीं हो रहे। जब वह बैंगन के हिस्सों को आपस में मिला रही थी तब उसके चेहरे को भी अच्छा नहीं लग रहा था। सब्जी का रंग गहरा भूरा हो गया था। वह बोली, यह बैंगन तो अच्छे नहीं निकले। आज भर्ता अच्छा नहीं बनने वाला क्यूंकि इनमें बीज भी बहुत निकले, लगता है यह बैंगन पुराने होंगे। पति ने



कल्पना की कि पत्नी यह भी कह सकती है कि पता नहीं बैंगन कितने पुराने पौधे में लटके होंगे । उस पौधे को लगाने वाला व्यक्ति कैसा होगा जिसकी वजह से बैंगनों का ऐसा भर्ता बना। लेकिन पत्नी ने ठोक बजाकर कहा, इन बैंगनों का रंग भी कुछ उड़ा उड़ा सा था। कई टेढ़ी मेढ़ी लकीरें भी इन पर थी। जब मैनें इन्हें दबाकर देखा ठीक से दब भी नहीं रहे थे।

हालांकि इन्हें मैंने अपनी पसंद के चाकू से ही काटा लेकिन अन्दर से इनका टेक्सचर भी कुछ जांच नहीं रहा था। इनके तो बीज भी अजीब से लगे। मैंने आज तक बैंगन में ऐसे बीज नहीं देखे तभी शायद इनका भर्ता ठीक नहीं बना। अगर बैंगन के साथ एक दो पत्ते भी होते तो स्वाद कुछ और ही होता। यदि इनका रंग लाल होता तो भर्ता स्वादिष्ट बनता। पति ने कहा, आपने पिछली बार ऐसे ही बैंगनों से स्वादिष्ट भर्ता बनाया था। पत्नी बोली, वो बैंगन ऐसे नहीं थे। पहली बार लगा..... क्या ऐसे भी बैंगन होते हैं। ये बैंगन तो बेगुण ही थे। इन बैंगनों में कोई विटामिन भी नहीं होगा। इन बैंगनों की तो शक्ल ही अजीब थी जिससे लगता था कि यह वजन भी नहीं घटा सकते। पाचन सुधार नहीं सकते, दिल की सेहत बना नहीं सकते तभी इनका भर्ता ठीक नहीं बना। इनसे अच्छा भर्ता तो आलुओं का बन जाता। ताजासब्जियां लें

पत्नी द्वारा, कई हजार लाइक्स वाली रील में बताए, सुगम तरीके से पकाए भर्ते की, पति ने परम्परा अनुसार तारीफ की। बैंगन का भेजा फ्राय करने के लिए नए उपकरण का उद्घाटन पत्नी द्वारा किया गया। इस दौरान पति को याद आया कि इन बैंगनों ने नौ दिन पहले फ्रिज में प्रवेश किया था लेकिन उन्हें भर्ता होने का अवसर नहीं मिल रहा था। वे फ्रिज में पसरे हुए परेशान हो चुके थे तभी उनका भर्ता वैसा नहीं बना, जैसा बन सकता था। एक वजह यह भी रही कि पत्नी को बैंगन ज्यादा पसंद नहीं।

सरकारी भूमि पर अंतिम संस्कार मामले में डीएम से फिर शिकायत

एसडीएम ने लेखपाल को दो दिन में जांच रिपोर्ट देने के दिए निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। तहसील क्षेत्र के गांव मिढ़ावली खुर्द में कुछ दबंग लोगो द्वारा उनका पैतृक मरघट होते हुए भी सरकारी भूमि पर कब्जा करने की नीयत से एक महिला का अंतिम संस्कार गांव के प्राथमिक विद्यालय के सामने सरकारी भूमि पर कर दिया गया, इस अंतिम संस्कार ने गांव में विवाद की स्थिती पैदा कर दी है।

क्यो कि सरकारी भूमि का मामला न्यायालय में पहले से ही विचाराधीन है। लेकिन विपक्षी पक्ष इस भूमि को अपना बता रहा है। लेकिन सरकारी कागजों में यह भूमि नवीन परती के नाम पर सरकारी भूमि है। इस मामले



में गांव के ही युवक द्वारा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए डीएम से संपूर्ण समाधान दिवस में गुहार लगाकर मामले में कार्रवाई की मांग की है।

तहसील क्षेत्र के गांव मिढ़ावली खुर्द में प्राथमिक विद्यालय के सामने गाटा संख्या 241 और 242 में नवीन परती के नाम पर सरकारी भूमि हैं, गांव के ही विजेंद्र सिंह चौहान का आरोप है कि इस भूमि पर गांव के ही गजेंद्र सिंह पुत्र हनुमंत सिंह की नीयत खराब हैं, वह अपने परिवारियों रामेंद्र प्रताप सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह व योगेंद्र प्रताप सिंह पुत्रगण चंद्रपाल सिंह की मदद से इस भूमि पर कब्जा करना चाहते है। गजेंद्र सिंह की भाभी का निधन 1 अक्टूबर को हो गया था, इनका पैतृक मरघट होते हुए भी भाभी का अंतिम संस्कार सरकारी भूमि पर करा दिया।

विजेंद्र कहते है कि गजेंद्र सिंह ने इस भूमि पर अपना हक जताने के लिए अंतिम संस्कार कराया है। विजेंद्र सिंह का कहना है कि विपक्षियों का पूर्व निर्धारित वैध पारिवारिक मरघट राजस्व रिकॉर्ड में पहले से मौजूद है, फिर भी उनके द्वारा नवीन परती की सरकारी भूमि पर विद्यालय के समीप सामने दाह संस्कार करना पूरी तरह गलत है, विपक्षियों का मुख्य उद्देश्य धार्मिक/संवेदनशील आड़ लेकर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा स्थापित करना है।

बच्चों के भविष्य के साथ भी खिलवाड़

विजेंद्र सिंह बताते है कि प्राथमिक विद्यालय के सामने सरकारी भूमि पर अंतिम संस्कार किए जाने से विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। स्कूल के छोटे-छोटे बच्चो के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ किया गया है। बच्चे दहशत में स्कूल तो जाते है और डर के माहौल के बीच शिक्षा ग्रहण कर रहे है। स्कूल में बच्चो की उपस्थित भी प्रभावित हुई है।

मामले की डीएम से फिर शिकायत

विजेंद्र इस मामले में डीएम कार्यालय जाकर भी शिकायत कर चुके है। इस मामले में एसडीएम से भी शिकायत की गई है। एसडीएम ने मामले में जांच कराने वाली बात कही थी, अब सोमवार को भी विजेंद्र सिंह ने संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम के सामने उपस्थित होकर मामले की शिकायत की है। इस मामले में एसडीएम कुरावली प्रदीप कुमार ने लेखपाल को सोमवार तक जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिए है।

शिक्षकों की वरिष्ठता सूची चस्पा, पदोन्नति का रास्ता साफ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की पदोन्नति की वरिष्ठता सूची शनिवार को सांय बीआरसी पर चस्पा कर दी गई। पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने और आपत्तियों के निस्तारण के बाद अंतिम सूची के आधार पर शिक्षकों को पदोन्नत किया जाएगा। खण्ड शिक्षा अधिकारी सर्वेश यादव ने बताया कि वरिष्ठता सूची को बीआरसी पर प्रदर्शित करने का मुख्य उद्देश्य प्रक्रिया में पूरी तरह से पारदर्शिता बनाए रखना है। सूची जारी होने से शिक्षक अपने नाम, नियुक्ति तिथि, सेवा अवधि और वरिष्ठता क्रमांक का मिलान कर सकेंगे। यदि किसी शिक्षक की प्रविष्टि, नाम या क्रम में कोई त्रुटि या विसंगति है, तो वे निर्धारित समयावधि के भीतर साक्ष्यों के साथ अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से मासूम की मौत



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुसमरा/मैनपुरी। चौकी क्षेत्र के गांव सकरा में घर के बाहर खेल रहे डेढ़ वर्षीय मासूम को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल की इमरजेंसी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। चौकी क्षेत्र के गांव सकरा निवासी जितेंद्र सिंह का डेढ़ वर्षीय बेटा रुद्र शुक्रवार को घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान गांव का ही एक युवक स्विफ्ट डिजायर कार लेकर तेज रफ्तार से वहां से निकला। कार की चपेट में आने से रुद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद परिजन बच्चे को लेकर जिला अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने उपचार और जांच के बाद शाम करीब चार बजे उसे मृत घोषित कर दिया। बताया कि रुद्र के पिता जितेंद्र कुमार नोएडा में रहकर निजी सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं। उनके दो बच्चे हैं, जिनमें रुद्र छोटा बेटा था। हादसे में मासूम की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में बच्चे की मौत के बाद मातम पसरा हुआ है। परिजनों की चीख-पुकार से गांव का माहौल गमगीन हो गया।

माफिया ने फजीर्वाड़ा कर 3.82 एकड़ सरकारी जमीन हड़पी

अहिरवा में पहले भी एक हजार बीघा भूमि का हो चुका घोटाला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। भोगांव थाना क्षेत्र के गांव अहिरवा में सरकारी जमीन के मामले में एक और फजीर्वांड़े का खुलासा हुआ है। इस बार राजस्व अभिलेखों में छेड़छाड़ कर 3.82 एकड़ जमीन को अपने नाम दर्ज करा लिया गया। इतना ही नहीं अभिलेखों में छेड़छाड़ की गई। रजिस्टर के पन्ने फाड़कर नए पन्ने लगा दिए गए। डीएम के निर्देश पर हुई जांच के बाद तहसीलदार भोगांव ने आरोपी और उसके सहयोगियों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

भोगांव तहसील व थाना क्षेत्र के गांव अहिरवा में पहले भी एक हजार बीघा से अधिक जमीन का घोटाला हो चुका है। तहसीलदार भोगांव घासीराम ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर जानकारी दी कि भोगांव कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नगला पाल

क्या बोले डीएम मैनपुरी

तहसील के अभिलेखों में गड़बड़ी कराकर 3.82 एकड़ जमीन की धोखाधड़ी की गई। जांच में इसका खुलासा हुआ तो आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। इस मामले में जो भी अन्य लोग दोषी मिलेंगे, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

- डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी, डीएम मैनपुरी।

के राजस्व अभिलेखों में फर्जी प्रविष्टियां दर्ज की गई है। इसकी शिकायत डीएम से की गई तो डीएम के निर्देश पर जांच की गई। जांच में पता चला कि गाटा संख्या 65 312 में 21.95 एकड़ जमीन दर्ज थी। फर्जी प्रविष्टियां दर्ज करके इस गाटा संख्या पर 24.95 एकड़ जमीन दर्ज की गई और 3.82 एकड़ जमीन को और बढ़ा लिया गया। अभिलेख के रजिस्टर में 41 और 48 नंबर पेज फाड़कर नए पेज लगा दिए गए।

मतदाता शिविरों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करने पर जोर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। मतदाता सूची को दुरुस्त करने शनिवार को चलाए गये विशेष मतदाता शिविरों का उपजिलाधिकारी पीयूष जायसवाल ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पोलिंग बूथों पर चल रहे कार्यों का जायजा लिया और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को मतदाता सूची से संबंधित कार्यों को गंभीरता से पूरा करने के निर्देश दिए।

शनिवार को तहसील क्षेत्र के मतदान केन्द्रो पर चलाये गये विशेष मतदाता शिविरों के तहत मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, अपात्र एवं नियमानुसार हटाए जाने वाले नामों की जांच करने तथा मतदाताओं के विवरण में आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया की गई। उपजिलाधिकारी पीयूष जायसवाल ने शिविरों में पहुंचकर मतदाता सूची से जुड़े कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि पात्र नागरिकों के नाम सूची में शामिल करने के लिए प्राप्त आवेदनों की नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।



उन्होंने बीएलओ को शिविरों में आने वाले लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और उन्हें मतदाता सूची से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कम्पोजिट विधालय भोंगाव पर बीएलओ मुहम्मद रफी, बसीम, अख्तर आदिल के समक्ष नीलेश कुमार ने दावो के साथ अपना नाम जोडने के लिये प्रार्थना पत्र दिया जिस पर उपजिलाधिकारी ने नीलेश का नाम जोडने के निर्देश दिये।

तहसील दिवस में आईं 58 शिकायतें, दो का निस्तारण



मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। शनिवार को तहसील में आयोजित समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी राजेश चंद्रा और एसडीएम नवनीता राय ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान कुल 58 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से दो का एसडीएम ने मौके पर ही निस्तारण कर दिया। शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी राजेश चंद्रा ने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लिया जाए। फरियादी बड़ी उम्मीद लेकर अधिकारियों के पास आते हैं, इसलिए उनकी समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर उन्हें संतुष्ट करना सुनिश्चित करें। इस मौके पर तहसीलदार भारत कुमार मौर्य, नायब तहसीलदार राज कपूर, उपनिरीक्षक मनीषा चौधरी, अंजनी कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भूमि नीलामी की अगली तारीख 4 नवंबर तय

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। तहसील किशनी क्षेत्र में बकाया वसूली के मामले में भूमि की नीलामी के लिए बोलीदाता नहीं पहुंचने के कारण अब अगली तारीख निर्धारित कर दी गई है। एसडीएम नवनीता राय ने नीलामी की अगली तिथि 4 नवंबर 2026 तय की है। बकायेदार दीपक दुबे पुत्र रामप्रकाश निवासी नगला धुरा,थाना कुर्रा की भूमि की नीलामी के लिए आरसी प्रपत्र संख्या 43 जारी किया गया था। नीलामी की पहली तिथि 14 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई थी, लेकिन उस दिन बोली लगाने वाले नहीं पहुंचे, जिससे नीलामी की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। इसके बाद अगली नीलामी की तिथि निर्धारित करने का अनुरोध किया गया था। मामले में एसडीएम नवनीता राय ने 4 नवंबर को नीलामी कराने की तिथि तय कर दी है। अब निर्धारित तिथि पर होने वाली कार्रवाई के माध्यम से बकाया वसूली की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

कपड़ो के दो शोरुम में आगजनी के सभी पहलुओं पर जांच शुरू

महिला के शटर बंद करने के 3 मिनट बाद उठीं आग की लपटें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर में क्रिश्चियन तिराहे के पास बुधवार की मध्य रात्रि करीब 11.45 बजे कपड़ो के दो शोरूम में भीषण आग लग गई थी। शनिवार को एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। एसपी सिटी ने कोतवाली पुलिस को जांच के निर्देश दिए हैं। हालांकि, अभी आग लगने के कारणों और किसी साजिश की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कोतवाली सदर क्षेत्र में हुए अग्निकांड में दोनों शोरूम का सामान जलकर राख हो गया था। इस आगजनी की की घटना में नुकसान एक करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है। दमकल विभाग की टीम ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था। अब पुलिस घटना से पहले की गतिविधियों और आग लगने की परिस्थितियों की पड़ताल कर रही है।

सीसीटीवी में रात 11.21 बजे दुकान में जाती दिखीं महिला- सामने आए सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, घटना वाली रात शोरूम मालिक ऋषभ गुप्ता के माता-पिता



काफी देर तक दुकान पर मौजूद थे। बताया जा रहा है कि पिता के जाने के बाद उनकी मां काफी देर तक दुकान के आसपास घूमती नजर आईं।

इस दौरान वह फोन पर बातचीत करती भी दिखाई दीं। फुटेज के अनुसार, रात 11.21 बजे वह दुकान के अंदर गईं और शटर बंद कर दिया। करीब 20 मिनट बाद रात 11:41 बजे बाहर निकलकर मुख्य गेट पर ताला लगाया। इसके लगभग तीन मिनट बाद, रात 11:44 बजे दुकान के अंदर से आग की तेज लपटें उठने लगीं। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और दोनों शोरूम इसकी चपेट में आ गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रही गतिविधियों और आग लगने के बीच के घटनाक्रम की जांच कर रही है।

यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आग किन परिस्थितियों में लगी और फुटेज में दिख रही गतिविधियों का घटना से कोई संबंध है या नहीं।

विशेष मतदाता शिविरों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार को किशनी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों पर विशेष मतदाता शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में बीएलओ उपस्थित रहकर नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए फॉर्म भरते दिखाई दिए।

एसडीएम नवनीता राय ने खंड विकास अधिकारी अनिल यादव और एडीओ पंचायत अंजनी कुमार, लेखपाल वैभव सत्यार्थी के साथ प्राथमिक विद्यालय हरचंदपुर, प्राथमिक विद्यालय चौराईपुर तथा कंपोजिट विद्यालय किशनी पहुंचकर शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ की उपस्थिति और पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने मतदाताओं के लिए उपलब्ध पेयजल, शौचालय, विश्राम स्थल और रैंप जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 17 और 24 अक्टूबर को विशेष मतदाता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं सहित मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे पात्र नागरिक आवेदन कर सकते हैं। अभियान का उद्देश्य पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कर उसे अद्यतन करना और निर्वाचन प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। कंपोजिट विद्यालय किशनी में 11 नए मतदाताओं ने अपने वोट बनवाने के लिए अपने प्रपत्र जमा किए।

दबिश देने आई हरियाणा पुलिस पर कर दिया पथराव

गाड़ी में की तोड़फोड़; दो आरोपी गिरफ्तार, आरोपी भाग निकला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। हरियाणा के फरीदाबाद जनपद के पल्ला थाने से एक मामले में करहल थाना क्षेत्र के गांव सुकरुल्लापुर दबिश में आई पुलिस टीम पर पथराव किया गया। पुलिस कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करने के साथ ही गाड़ी में भी तोड़फोड़ की गई। सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।



हरियाणा के फरीदाबाद जनपद के पल्ला थाने के एसी राजकुमार ने बताया कि डीसीपी सेंट्रल की अनुमति लेकर टीम के एसपीओ रमेश कुमार, एसपीओ बलवीर के साथ निजी वाहन से शुक्रवार को गांव सुकरुल्लापुर में दबिश के लिए गए थे। उन्हें सर्विलांस से सटीक लोकेशन मिली थी कि गाड़ी ले जाने के मामले में आरोपी राहुल गांव में ही मौजूद है। उसकी गिरफ्तारी व वाहन बरामदगी के लिए मीठेपुर चौकी इंचार्ज सुरेंद्र कुमार हमराह पूरन सिंह और पंकज राय के साथ सुबह करीब 11 बजे राहुल के घर पहुंचे और उससे पूछताछ की। जब उसे पकड़ कर ले जाने का प्रयास किया तो स्थिति बिगड़ने लगी। राहुल के परिवार के लोग आ गए और टीम पर हमलावर हो गए। विरोध करने पर पथराव करना शुरू कर दिया।

करहल थाने में हमलावरो पर मुकदमा

इस हमले में एसपीओ बलवीर और एसपीओ रमेश कुमार चोटिल हो गए। उनकी गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिए। इस बीच आरोपी राहुल भाग निकला। पुलिस ने दो हमलावरों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। करहल थाने में सरकार सिंह, विकास, कृष्णा, मोहन, रेखा, खुशबू और राहुल निवासी सुकरुल्लापुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस आरोपियो की तलाश कर रही है।

क्या बोले एसपी ग्रामीण

हरियाणा पुलिस की एक टीम गांव सुकरुल्लापुर गई थी, वहां टीम के साथ अभद्रता की गई। दो लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया है।

-अभिषेक तिवारी, एसपी ग्रामीण।

छात्रा से अश्लीलता करने वाले शिक्षामित्र को पांच साल सजा

न्यायालय ने 50 हजार का जुमार्ना भी लगाया, जेल भेजा शिक्षमित्र

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। औंछा थाना क्षेत्र के एक गांव में दस वर्षीय छात्रा को किस करने वाले शिक्षामित्र को कोर्ट ने दोषी ठहराया। दोषी ठहराए गए शिक्षामित्र को पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है, साथ ही 50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। जुमार्ना अदा न करने पर दोषी ठहराए गए शिक्षामित्र को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। शुक्रवार को स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट जहेंद्र पाल सिंह ने सजा सुनाई।

ज्ञात हो कि औंछा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने 3 फरवरी 2019 को पुलिस को तहरीर देकर शिकायत की कि थाना क्षेत्र के एक परिषदीय स्कूल में उसकी दस वर्षीय पुत्री पढ़ने गई थी। यहां तैनात शिक्षामित्र प्रेमपाल पुत्र मंगली प्रसाद ने उसकी पुत्री को किस किया और कहा कि वह रोज स्कूल आया करे, वह रोज उसकी किस करेगा। किसी से कहने पर शिक्षामित्र ने छात्रा को धमकाया। पिता ने इसकी शिकायत शिक्षामित्र से की तो उसने कहा कि गलती हो गई और आगे से ऐसा नहीं होगा। पिता की तहरीर पर उसने आरोपी प्रेमपाल के खिलाफ आईपीसी की धारा 354 और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना की। विवेचना में प्रेमपाल को दोषी पाया गया तो विवेचक ने उसके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। शुक्रवार को स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट जहेंद्र पाल सिंह ने मामले की सुनवाई पूरी की और उसे पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई और 50 हजार का जुमार्ना भी लगाया। सजा का फैसला आने के बाद जमानत पर चल रहे प्रेमपाल को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया।

बिना लगेज लिए पार्सल ले जा रहे चालक और परिचालक

लगेज बुक टीम ने किशनी में पकड़ा, आरएम ने कहा करेंगे कार्यवाही

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। परिवहन निगम की बसों में चालक और परिचालक बिना लगेज के पार्सल को लाकर रुपया बंदरबांट कर रहे है और विभाग को धोखा दे रहे है, शनिवार को किशनी रोडबेज बस स्टेंड पर एक गाड़ी में ऐसा मामला इटावा की टीम द्वारा पकड़ा गया है, टीम ने चालक परिचालक की शिकायत आरएम इटावा को की है, आरएम ने कार्यवाही का भरोसा दिया है।

इटावा बस स्टेंड के पार्सल संचालक सूरज भदौरिया ने बताया कि विभाग द्वारा लगेज के माध्यम से सटीक आय प्राप्त करने के लिए पार्सल कार्यालय खोले गए है जिसमें परिवहन निगम की बसों में



लगेज बुक किया जाता है, इस माध्यम से लगेज सुरक्षित होता है और पहुँचाने की जिम्मेदारी भी होती है, लेकिन शनिवार सुबह इटावा बस स्टेंड से हरदोई डिपो की बस के चालक परिचालक ने बिना बुक किए कई पार्सल गाड़ी में लोड कर लिए और टीम द्वारा जानकारी पर गाड़ी भी इटावा में नहीं रोकी गई, जिस कारण उनकी टीम ने पीछा करते हुए किशनी बस स्टेंड पर गाड़ी के रुकने पर चैक किया तो पार्सल को पकड़ा गया, जिन पार्सलों को गाड़ी के अन्दर रखा जाना चाहिए वह गाड़ी की साइड दिग्गी में रखे गए थे, टीम ने मौके पर ही यह जानकारी इटावा आरएम को दी।

क्या बोले आएम इटावा

इस संबंध में आरएम इटावा कपिल देव ने बताया कि बिना बुकिंग के पार्सल ले जाने की शिकायत पर परिचालक को बुलाया गया है जांच के बाद कार्यवाही की जाएगी।

अकेली किशोरी के साथ कर दी छेडछाड़

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। घर में मौजूद अकेली किशोरी के साथ युवक ने छेडखानी कर दी विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। घटना की तहरीर पुलिस को दी गई है।

थाना क्षेत्र के ग्राम निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर मे बताया कि विगत दिवस वह अपने पति के साथ धान काटने गई थी तभी गांव का ही ध्रुव सिंह पुत्र रामकिशन राठौर उसके घर मे घुस आया और घर मे अकेली उसकी 17 बर्षीय पुत्री को अकेला पाकर दवोच लिया और छेडखानी करने लगा, किशोरी के चिल्लाने पर युवक जान से मारने धमकी देकर भाग गया।

लिंक एक्सप्रेस के लिए 90 प्रतिशत जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी

बची हुई भूमि की प्रक्रिया जल्द पूरी करने का दावा, आख्या भेजने की तैयारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। फरूर्खाबाद लिंक एक्सप्रेस-वे मे पडने वाले तहसील क्षेत्र के 12 ग्रामो में चिन्हित की गई भूमि का किसानो से 90 प्रतिशत बैनामा कराने की प्रक्रिया पूरी हो गई तथा शेष बची चिन्हित भूमि को अधिग्रहण करने की कारवाही प्रशासन ने शुरू कर दी है कारवाही की आख्या रिपोर्ट अपर जिलाधिकारी को भेजी जायेगी।

ज्ञात हो कि फरूर्खाबाद लिंक एक्सप्रेस के लिए तहसील क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर बिकू, छबीलेपुर, बहदीनपुर, कमलपुर, महमूदिया, रामनगरिया, चनेपुर, दुर्जनपुर, मुडई, पटना टिलुआ, हुसैनपुर, हाजीपुर वरान, घुमसपुर सहित 12 ग्रामो से होकर गुजरेगा जिसके लिए 136.2295 हेक्टेयर भूमि की जरूरत होगी जिसमे किसानो से जमीन खरीदी जायेगी। इस जमीन के लिये साकेत कुमार के नेतृत्व मे राजस्व कर्मियो की टीमे लगाई गयी थी जिनके द्वारा जमीन चिन्हित की गई थी जिसमे 128.09443 हेक्टेयर भूमि किसानो से बैनामा करा ली गई है।

उपजिलाधिकारी पीयूष जायसवाल ने बताया कि बची हुई 7.2832 हैक्टयर जमीन के लिये अधिग्रहण की कारवाही जारी है इस भूमि का किसानो ने बैनामा नही किया है उस चिन्हित जमीन के लिये अधिग्रहण की कारवाही पूर्ण कर ली गई है तथा उन किसानो को अवगत करा दिया गया है उक्त जमीन की कीमत का पैसा उनके खाते मे स्थानान्तरित करने के लिये किसानो से आधार कार्ड, पैन कार्ड अपर जिलाधिकारी कार्यालय मे जमा कराने के लियें कहा गया है जिससे उन्हे अधिग्रहित की गई जमीन का पैसा मिल सके।

उन्होने बताया कि ग्राम घुमसपुर की चिन्हित की गई जमीन के किसानो ने शत प्रतिशत जमीन का शत प्रतिशत बैनामा किया है जबकि अन्य 11 ग्रामो मे चिन्हित जमीन को कुछ किसानो ने बैनामा नही किया है जिस कारण अधिग्रहण की कारवाही की गई है। उन्होने बताया कि अधिग्रहण की कारवाही पूरी कर ली गई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे अहम: स्टारलिंक को न दी जाए मंजूरी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

स्वदेशी जागरण मंच दुनिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन एलन मस्क के गैर-ज़िम्मेदाराना बयानों की कड़ी निंदा करता है। यह मामला एलन मस्क की कंपनी 'स्टारलिंक' से जुड़ा है, जिसने भारत में कमर्शियल सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस शुरू करने और चलाने के लिए लाइसेंस के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसे अभी तक लाइसेंस नहीं मिला है (हालांकि आवेदन को खारिज भी नहीं किया गया है)। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर उनकी कंपनी से मांगी गई जानकारी का जवाब देने के बजाय, एलन मस्क ने भारतीय बिजनेस और सरकार पर परोक्ष रूप से आरोप लगाने का रास्ता चुना। ऐसा लगता है कि स्टारलिंक शायद उन खास जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार नहीं है। नतीजतन, ऐसा लगता है कि एलन मस्क या तो सरकार के खिलाफ जनता का दबाव बनाकर लाइसेंस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं या फिर हताशा में ऐसे बयान दे रहे हैं।

यह समझना जरूरी है कि स्टारलिंक की टेक्नोलॉजी भारत की रेगुलेटरी जरूरतों को पूरा करने में एक बड़ी चुनौती पेश करती है। स्टारलिंक डेटा को ग्राउंड स्टेशन तक पहुंचने से पहले सीधे सैटेलाइट के बीच ट्रांसमिट करने के लिए लेजर-बेस्ड सैटेलाइट लिंक का इस्तेमाल करती है। भारत सरकार इस सिस्टम की जांच कर रही है ताकि यह पक्का किया जा सके कि सुरक्षा से जुड़ी इमरजेंसी के दौरान डेटा भारतीय गेटवे को बायपास न कर सके। एक अहम रेगुलेटरी शर्त यह है कि स्टारलिंक सरकार के कहने पर अपनी सर्विस को ठीक-ठीक तरीके से सीमित करने में सक्षम हो; लेकिन स्टारलिंक ने इस जरूरत को पूरा करने का वादा नहीं किया है, या हो सकता है कि उनकी टेक्नोलॉजी इसकी इजाजत न देती हो। वर्तमान में भारत कानून-व्यवस्था से जुड़ी कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसी स्थितियों में, इंटरनेट-बेस्ड सोशल मीडिया अक्सर अफवाहों और देश-विरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देता है। अलगाववाद, आतंकवाद, दंगे, विरोध-प्रदर्शन और ऐसी ही घटनाओं के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अक्सर इंटरनेट सर्विस को रोकना जरूरी हो जाता है। इसके अलावा, स्टारलिंक सैटेलाइट लेजर लिंक का इस्तेमाल करके एक-दूसरे से बातचीत हो सकती है। भारत को चिंता है कि भारतीय इंटरनेट ट्रैफि क घरेलू गेटवे से न गुजरकर विदेशी इंफ्रास्ट्रक्चर से होकर जा सकता है, जिससे कानूनी निगरानी और नियम लागू करना मुश्किल हो जाएगा। सरकार चाहती है कि भारतीय ट्रैफि क भारत के अंदर मौजूद गेटवे से होकर गुजरे। साथ ही, यह भी डर है कि सैटेलाइट इंटरनेट का इस्तेमाल दुश्मन ताकतों, तस्करों या विद्रोही समूहों द्वारा पारंपरिक टेलीकॉम नेटवर्क के दायरे से बाहर बातचीत करने के लिए किया जा सकता है। संवेदनशील सीमाओं और संघर्ष वाले इलाकों के पास अनधिकृत टर्मिनल चलते हुए पाए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने कई जांचों में स्टारलिंक के उपकरण भी बरामद किए हैं।

गौर करने वाली बात है कि भारत ने अब तक स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करके ब्रॉडबैंड और मोबाइल डेटा सेवाएं दी हैं। इन सेवाओं की खासियत यह है कि ये न केवल दुनिया में सबसे सस्ती हैं - आम तौर पर चीन में लगने वाली लागत का 17 प्रतिशत और अमेरिका में लगने वाली लागत का सिर्फ.1 प्रतिशत ही है - बल्कि जरूरत पड़ने पर प्रभावित इलाकों में इन्हें रोका या सीमित भी किया जा सकता है; एक ऐसी गारंटी जो शायद स्टारलिंक की स्पेस-बेस्ड लेजर तकनीक नहीं दे सकती। इसके अलावा, भारत में मौजूदा टेलीकॉम ऑपरेटर जरूरत पड़ने पर सुरक्षा और जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करते रहे हैं और उनकी तकनीक राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरतों के अनुरूप है। स्वदेशी जागरण मंच की स्टारलिंक से जुड़ी सुरक्षा संबंधी चिंताएं यूक्रेन, ईरान, रूस, चीन, ताइवान, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, वेनेजुएला, सूडान और कई अन्य देशों के अनुभवों पर आधारित हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषण के लिए सबसे अहम केस स्टडीज यूक्रेन, ईरान, रूस, चीन और ताइवान माने जाते हैं। स्वदेशी जागरण मंच यह बात रिकॉर्ड पर लाना चाहता है कि यह घटना अपनी तरह की पहली घटना नहीं है।

मोबाइल इंटरनेट तकनीक में लगातार सुधार और विकास हुआ है। 2ॠ से 3ॠ 4ॠ और उसके बाद 5ॠ तकनीक तक के सफर ने मोबाइल डेटा की स्पीड को लगातार बढ़ाया है। भारत सरकार ने 2019 में 5ॠ तकनीक लाने की कोशिशें शुरू की थीं, हालांकि उस समय तक देश में यह तकनीक पूरी तरह विकसित नहीं हुई थी। 5ॠ तकनीक को लेकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा कुछ ही कंपनियों तक सीमित थी, जिनमें चीन की हुआवे कीमत के मामले में सबसे आगे थी। तब स्वदेशी जागरण मंच ने सुरक्षा चिंताओं के कारण हुआवे को ट्रायल में शामिल करने का विरोध किया था। एसजेएम के विरोध के बाद, न तो हुआवेई और न ही किसी दूसरी चीनी कंपनी, जेडटीई , को ट्रायल करने की इजाजत दी गई। इस बीच, 5G तकनीक विकसित करने पर काम कर रही भारतीय कंपनियों और वैज्ञानिकों ने आखिरकार 5G विकसित कर लिया, जिसे आम तौर पर 5Gi के नाम से जाना जाता है। आज, देश में पहले से मौजूद स्वदेशी 4G टेक्नोलॉजी के साथ-साथ कई जगहों पर 5Gi टेक्नोलॉजी भी शुरू की जा चुकी है।

सैटेलाइट-आधारित इंटरनेट में आत्मनिर्भरता

यह सच है कि भारत ने अमेरिका, यूरोप और रूस जैसे देशों की तुलना में स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में देर से कदम रखा, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि भारत तेजी से ग्लोबल स्पेस क्षेत्र में एक अहम और मुख्य खिलाड़ी बनकर उभरा है। भारत के ढरछश और चंद्रयान मिशन पहले ही ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित कर चुके हैं; वहीं, गगनयान, निसार, चंद्रयान-4, शुक्रयान और इंडियन स्पेस स्टेशन जैसे प्रोजेक्ट स्पेस सेक्टर में भारत की बढ़ती अहमियत के प्रतीक बन रहे हैं। भारत स्पेस मौसम विज्ञान, कम्युनिकेशन और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में कई देशों की मदद भी कर रहा है। इंटरनेट सेवाओं के क्षेत्र में, प्राइवेट स्टार्टअप अब भारत के पब्लिक सेक्टर के उद्यमों के साथ-साथ अपनी जगह बना रहे हैं। भारत के प्रयासों से विकसित कम्युनिकेशन सैटेलाइट्स का एक समूह (कॉन्स्टेलेशन) अभी काम कर रहा है। ये सैटेलाइट टेलीकम्युनिकेशन, ब्रॉडबैंड और ब्रॉडकास्टिंग सेवाओं में मदद करते हैं, साथ ही सोशल और पॉलिटिकल कम्युनिकेशन को भी मदद करते हैं। इस क्षेत्र में भारत की क्षमताएं लगातार बढ़ रही हैं; इसके अलावा, सरकारी नीतियां स्पेस सेक्टर में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दे रही हैं, जिससे आत्मनिर्भर स्पेस टेक्नोलॉजी का विकास तेजी से हो रहा है। अगर एलन मस्क की स्टारलिंक को लाइसेंस नहीं मिलता है क्योंकि वह भारत सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को दूर नहीं कर पाती है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि भारत सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सर्विस नहीं दे पाएगा। असल में, अगर देश की अपनी सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सर्विस शुरू करने में थोड़ी देर भी होती है, तब भी हम स्टारलिंक की तुलना में बहुत सस्ती सर्विस दे पाएंगे और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा का भी ध्यान रख पाएंगे। यह साफ है कि स्टारलिंक की इंटरनेट सर्विस की कीमत मौजूदा मोबाइल और ब्रॉडबैंड दरों से काफी ज्यादा होगी। हालांकि, अगर राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर स्टारलिंक को रोका जाता है—जो कि पूरी तरह से सही कदम होगा—तो इससे देश की अपनी सैटेलाइट-आधारित इंटरनेट सर्विस के विकास को बहुत बढ़ावा मिलेगा। इससे देश के दूर-दराज इलाकों में सस्ती दरों पर इंटरनेट सेवा मिल पाएगी। नतीजतन, जैसे अभी शहरों और गांवों में डेटा बहुत कम दरों पर मिलता है, वैसे ही आत्मनिर्भर स्पेस-बेस्ड इंटरनेट भी जल्द ही दूर-दराज इलाकों में उपलब्ध हो सकेगा। स्वदेशी जागरण मंच सरकार से अपील करता है कि वह स्टारलिंक को अपनी कमर्शियल सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस शुरू करने की इजाजत न दे। एसजेएम का पक्का मानना ??है कि स्टारलिंक को रोकने से अमेरिका जैसे व्यापारिक साझेदारों को यह संदेश भी जाएगा: अगर उनमें राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर ऊंचे टैरिफ लगाकर भारतीय आयात—जैसे कि हस्तशिल्प उत्पाद—को मनमाने ढंग से रोकने की हिम्मत है, तो भारत को भी अपनी जायज राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के आधार पर स्टारलिंक को रोकने का पूरा अधिकार है।

डॉ. अश्वनी महाजन
राष्ट्रीय सह-संयोजक

तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक को मारी टक्कर, मां और आठ माह की बेटी की मौत, पति गंभीर घायल



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर में पनकी थाना क्षेत्र के न्यू ट्रांसपोर्ट नगर में कंटेनर की टक्कर से बाइक से जा रही महिला और उनकी आठ माह की बेटी की मौत हो गई। वहीं, बाइक चला रहा पति गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया।

पुलिस मौके पर मौजूद है। चकरपुर के जुगराजपुर निवासी सुमित सिंह राठौड़ अपनी पत्नी संजना के साथ आठ माह की बेटी को डॉक्टर की क्लिनिक में दिखाने नौबस्ता जा रहे थे। न्यू ट्रांसपोर्ट नगर में तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक में टक्कर मार दी। घटना में महिला व बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर करीब डेढ़ घंटे बाद पीआरबी मौके पर पहुंची।

विशेष पुनरीक्षण अभियान:डीईओ ने अतरौली में बूथ का किया निरीक्षण



मोर्निंग सिटी संवाददाता अलीगढ़। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कुमार ने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत विशेष बूथ दिवस शनिवार को 73-विधानसभा अतरौली में कृष्णा एवं श्रीराम मेमोरियल वैदिक इंटर कॉलेज में लगाए गए शिविर का निरीक्षण कर पुनरीक्षण कार्य की गुणवत्ता परखी।बूथ सुपरवाइजर अरविन्द कुमार ने बताया कि यहां बूथ संख्या 64 से 68 तक 05 बूथ है। सभी बीएलओ उपस्थित रहकर पुनरीक्षण कार्य कर रहे हैं। डीईओ ने विशेष शिविर के दौरान स्थानीय सभासद एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेते हुए प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान मतदाता बनने से छूटे पात्र नागरिकों का नाम सूची में शामिल कराएं। उन्होंने 18 प्लस आयुवर्ग एवं प्रथम मतदाता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर में प्रगाढ़ पुनरीक्षण से पूर्व एवं उपरांत की मतदाता सूची अनिवार्य रूप से रखी जाए ताकि सूची का मिलान करते हुए छूटे हुए पात्र नागरिकों का नाम जोड़ा जा सके। बूथ निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन भी उपस्थित रहे।

माननीय का आशीर्वाद या प्रशासन की अनदेखी? नगर निगम के बाहर फुटपाथ पर नर्सरी का अतिक्रमण

मोर्निंग सिटी संवाददाता अलीगढ़। शहर में अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी संभालने वाले नगर निगम के बाहर ही फुटपाथ पर नर्सरी का संचालन चर्चा का विषय बना हुआ है। महल चैराहे से लेकर सेवा भवन के गेट तक फुटपाथ पर पौधे और गमले रखे होने की तस्वीरें सार्वजनिक स्थान के इस्तेमाल को लेकर सवाल खड़े कर रही हैं।फुटपाथ पैदल राहगीरों की सुविधा के लिए बनाए जाते हैं, लेकिन उन पर नर्सरी का सामान रखे जाने से लोगों के आवागमन में परेशानी हो सकती है। ऐसे में सवाल उठता है कि यह स्थिति संबंधित अधिकारियों की जानकारी में है या फिर इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। **माननीय का आशीर्वाद या प्रशासन की अनदेखी ?** यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है कि नगर निगम के बाहर ही फुटपाथ पर अतिक्रमण दिखाई देने के बावजूद कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। हालांकि, किसी जनप्रतिनिधि के संरक्षण या आशीर्वाद की पुष्टि नहीं हुई है।अब देखना यह है कि नगर निगम के अधिकारी मौके का निरीक्षण कर फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराते हैं या फिर यह स्थिति आगे भी बनी रहती है।

21 अक्टूबर को लगेगी इनर व्हील क्लब की 11वीं वार्षिक चैरिटी प्रदर्शनी

मोर्निंग सिटी संवाददाता अलीगढ़। इनर व्हील क्लब ऑफ की 11वीं वार्षिक चैरिटी प्रदर्शनी 21 अक्टूबर को आयोजित होगी। इसका उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और घर से व्यवसाय करने वाली महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन व बिक्री के लिए मंच उपलब्ध कराना है।प्रदर्शनी में सूट, साड़ियां, गृह सज्जा की वस्तुएं, चादरें और उपहार सामग्री सहित विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। बरेली, दिल्ली, आगरा, वाराणसी, जयपुर और मुजफ्फरनगर के विक्रेता भी भाग लेंगे।कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन डॉ. मनीषा बाजपेयी और एसोसिएशन वाइस प्रेसिडेंट सोनल बंसल मुख्य अतिथि होंगी। समाजसेवी पूजा सिंघल, ज्योति मित्तल और डॉ. दिव्या लेहरी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी।क्लब की अध्यक्ष भारती जुनेजा, सचिव वर्षा अग्रवाल, उपाध्यक्ष पूनम धीरेन्द्र और कोषाध्यक्ष संगीता खुराना सहित अन्य सदस्य आयोजन की तैयारियों में जुटे हैं। प्रदर्शनी से प्राप्त राशि क्लब की समाजसेवी गतिविधियों और जनकल्याणकारी परियोजनाओं पर खर्च की जाएगी।

हार्ट अटैक से व्यापारी की मौत, शोक में बाजार बंद

मोर्निंग सिटी संवाददाता अलीगढ़। पिसावा कस्बे में शनिवार को दुकान पर बैठे 45 वर्षीय व्यापारी विष्णु गोयल की अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई। उनके निधन की खबर से कस्बे के व्यापारियों में शोक की लहर दौड़ गई।विष्णु गोयल पुत्र हरिश्चंद्र गोयल रोजाना की तरह शनिवार को अपनी दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय व्यापारियों ने शोक जताया। व्यापारी के निधन पर कस्बे के बाजार की कई दुकानें बंद रहीं।

जिम के वायरल वीडियो ने मचाई हलचल, प्रशिक्षक को हटाने की चर्चा

मोर्निंग सिटी संवाददाता अलीगढ़। बन्नादेवी थाना क्षेत्र के एक जिम से जुड़ा आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो को लेकर जिम के प्रशिक्षक और एक युवती के संबंध में दावे किए जा रहे हैं।बताया जा रहा है कि वीडियो सामने आने के बाद जिम प्रबंधन ने प्रशिक्षक को नौकरी से हटा दिया, जबकि युवती की सदस्यता भी समाप्त कर दी गई। हालांकि, इन कार्रवाइयों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।मामले ने जिम में अनुशासन और पेशेवर आचरण को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

सपा सरकार पर बरसे ब्रजेश पाठक, बोले- अब खत्म हुआ गुंडाराज

मोर्निंग सिटी संवाददाता



अलीगढ़। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उस समय नारा था कि खाली प्लॉट हमारा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सरकार में अराजकता का माहौल था, जबकि योगी सरकार में कानून-व्यवस्था बेहतर हुई है और लोगों को सुरक्षा मिल रही है।

उप मुख्यमंत्री शनिवार को डीएस डिग्री कॉलेज के सभागार में आयोजित शिक्षक सम्मेलन में पहुंचे। यहां उन्होंने आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मानवेंद्र प्रताप सिंह के समर्थन में मतदान की अपील की। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले विधान परिषद चुनाव को महत्वपूर्ण बताते हुए भाजपा के पक्ष में समर्थन मांगा।ब्रजेश पाठक ने सपा पर पीडीए के नाम पर राजनीति करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।उप मुख्यमंत्री का मलखान सिंह जिला चिकित्सालय का निरीक्षण करने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित था, लेकिन वह शिक्षक सम्मेलन के बाद अस्पताल नहीं पहुंचे और लखनऊ के लिए रवाना हो गए। उनके दौरे को लेकर अस्पताल में की गई तैयारियों के बीच निरीक्षण नहीं होने की चर्चा रही।

निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के संकल्प के साथ मनाया अलीगढ़ सम्राट का 37वां स्थापना दिवस

मोर्निंग सिटी संवाददाता



अलीगढ़। अलीगढ़ सम्राट समाचार पत्र का 37वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में अलीगढ़ सहित अन्य जनपदों से आए पत्रकारों, गणमान्य नागरिकों और समाचार पत्र से जुड़े सहयोगियों ने सहभागिता की। इस दौरान निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता, सर्वधर्म सद्भाव और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के संकल्प को दोहराया गया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान दौर में मुद्रित समाचार पत्रों के सामने अनेक चुनौतियां हैं, लेकिन समाज में उनकी विश्वसनीयता और जिम्मेदारी आज भी महत्वपूर्ण है। जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाना और समाज की आवाज को जिम्मेदारी के साथ सामने रखना पत्रकारिता का मूल उद्देश्य है। वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र शर्मा और पंकज धीरज ने समाचार पत्र की पूर्व उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए पूरी टीम का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने पत्रकारिता के मूल्यों को बनाए रखने, निष्पक्षता के साथ समाचार प्रस्तुत करने और जनहित के मुद्दों पर निर्भीकता से अपनी बात रखने पर जोर दिया।स्थापना दिवस के अवसर पर समाचार पत्र की अब तक की यात्रा को याद करते हुए भविष्य में भी निष्पक्ष, निर्भीक और जनोन्मुख पत्रकारिता जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया। इस अवसर पर अनेकों पत्रकार उपस्थित रहे।

मेरठ अमित हत्याकांड: 12 अप्रैल को हत्या, 12 गवाहों के बाद एडीजे-12 की अदालत ने 12 मिनट में सुनाया फैसला

मोर्निंग सिटी संवाददाता



मेरठ के बहसूमा में हुए चर्चित अमित कश्यप हत्याकांड में 12 नंबर का संयोग सामने आया है। मेरठ के सांप कांड से जुड़े इस मामले में हत्या की तारीख से लेकर अदालत में पेश किए गए गवाहों की संख्या और सजा सुनाने वाली अदालत तक 12 का आंकड़ा जुड़ा है।

अमित की हत्या 12 अप्रैल 2025 की रात को की गई थी। मामले में अभियोजन और वादी पक्ष की ओर से अदालत के सामने 12 गवाह पेश किए गए। वहीं, सजा एडीजे-12 की अदालत ने सुनाई और इसमें 12 मिनट लगे। अमित कश्यप की हत्या 12 अप्रैल 2025 की रात की गई थी। इस मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन और वादी पक्ष की ओर से अदालत में कुल 12 गवाह पेश किए गए। हत्याकांड में सजा सुनाने वाली अदालत का नाम भी एडीजे-12 है। इस तरह मामले में तारीख, गवाहों की संख्या और अदालत के साथ 12 का आंकड़ा जुड़ा रहा। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से अलग-अलग भूमिकाओं से जुड़े 12 गवाह पेश किए गए। इनमें मृतक के भाई और मुकदमे के वादी मोनू कश्यप से लेकर जांच अधिकारी, चिकित्सक और टेलीकॉम कंपनियों के नोडल अधिकारी शामिल रहे। इस मामले में सजा सुनाने वाली अदालत एडीजे-12 रही। दी गई जानकारी के अनुसार, अदालत ने 12 मिनट में सजा सुनाई। इस तरह अमित कश्यप हत्याकांड में 12 अप्रैल 2025 की तारीख, अदालत में पेश किए गए 12 गवाह, एडीजे-12 अदालत और 12 मिनट में सजा सुनाए जाने का संयोग सामने आया।

महिला किसान संगोष्ठी में कृषि उद्यमिता और स्वावलंबन पर जोर

मोर्निंग सिटी संवाददाता



अलीगढ़। अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026 के अवसर पर कृषि विभाग के तत्वावधान में शेखा संकुल स्थित सर्व कल्याणम भवन में शुद्धतम एफपीओ ने ब्रज किसान एफपीओ के सहयोग से महिला किसान संगोष्ठी आयोजित की। इसमें 12 गांवों की महिला किसानों ने भाग लिया और अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह ने किया। संयुक्त कृषि निदेशक श्रवण कुमार, उप निदेशक कृषि अरुण चैधरी, कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. नेत्रपाल मलिक, पंजाब नेशनल बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक दिनेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।संगोष्ठी में महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता, बैंक ऋण, श्री अन्न के पोषण संबंधी लाभ, पशुपालन और कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया।इस दौरान श्री अन्न उत्पादन, प्राकृतिक कृषि, फूलों एवं सब्जियों की खेती, अचार, गुलाल, दीपक-बाती निर्माण, पशुपालन, दुग्ध प्रसंस्करण और केंचुआ खाद सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन संतोष सिंह ने किया। अंत में शुद्धतम एफपीओ की निदेशिका प्रीती सिंह और ब्रज किसान एफपीओ की निदेशिका ने आभार व्यक्त किया।

अतरौली सम्पूर्ण समाधान दिवस में आई 52 शिकायतें, मौके पर हुआ सिर्फ एक ही निस्तारण

मोर्निंग सिटी संवाददाता



अलीगढ़। जिलाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में तहसील अतरौली के एनैक्सी सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में विभिन्न ग्रामों व मोहल्लों से आए लोगों ने अपनी समस्याओं से जुड़े प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में 52 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से राजस्व की 21, विद्युत की 09, पुलिस की 08, विकास विभाग की 07, नगर पालिका की 03 और वन विभाग व शिक्षा विभाग की 02-02 शिकायतें रहीं। 01 शिकायत का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। जिलाधिकारी ने गौआश्रय स्थलों के सुव्यवस्थित ढंग से संचालन के लिए विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारियों को सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरांत अतरौली तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत 12 गौशालाओं को निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसएसपी नीरज कुमार जादौन, उप जिलाधिकारी अतरौली सौरभ गुप्ता, तहसीलदार सतीश कुमार, नायब तहसीलदार मयंक गोयल, पीडी आर0के0 कुरील सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी फरियादियों की शिकायतें सुनीं और मौके पर ही आवश्यक निर्देश जारी किए।

किशोरी से छेड़छाड़ के मामले में एक और दरोगा निलंबित, सीसीटीवी फुटेज डिलीट कराने को बनाया दबाव

मोर्निंग सिटी संवाददाता



अलीगढ़ में जवां थाना क्षेत्र के बरौली बाजार में किशोरी से छेड़छाड़ और अभद्रता के मामले में पुलिस विभाग ने एक और कार्रवाई की है। विवेचना में लापरवाही बरतने के आरोप में उपनिरीक्षक रामवीर सिंह को एसएसपी नीरज जादौन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इससे पहले इस प्रकरण में तत्कालीन एसओ पर भी कार्रवाई की गई थी। मामला 10 अक्तूबर का है। आरोप है कि किशोरी की बाइक बंद हो गई थी। वह उसे स्टार्ट करने का प्रयास कर रही थी, तभी गणेश शर्मा उर्फ गुड्डू ने उसके साथ अभद्रता की। पीड़ित पक्ष का दावा है कि घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। मामले की सूचना पुलिस को देने के बाद भी कार्रवाई के तरीके पर सवाल उठाए गए। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया कि थाने में पुलिसकर्मियों ने सीसीटीवी फुटेज डिलीट कराने का दबाव बनाया। किशोरी के बयान के दौरान उसे परेशान करने और नौकरी व परिवार पर संकट आने की धमकी देने के आरोप भी लगाए गए। इन शिकायतों की एसपी सिटी ने जांच की। जांच के बाद उपनिरीक्षक रामवीर सिंह को निलंबित करने का निर्णय लिया गया।

छोटी खबरें

सरकारी चावल की कालाबाजारी पर कार्रवाई की मांग, धरने की चेतावनी



मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। सासनी में सरकारी चावल से भरा ट्रैक्टर पकड़े जाने के मामले में भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। संगठन के राष्ट्रीय सचिव ठाकुर राम जादौन ने वीडियो जारी कर कहा कि गरीबों के हक का अनाज कालाबाजारी में बेचे जाने का मामला गंभीर है। उनके अनुसार, ट्रैक्टर पकड़े जाने के दो दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। ठाकुर राम जादौन ने जिला प्रशासन से मामले में संलिप्त लोगों की पहचान कर जल्द कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर भारतीय किसान यूनियन (भानू) के बैनर तले सासनी तहसील पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गरीबों के हक के अनाज की कालाबाजारी के खिलाफ संगठन संघर्ष करेगा।

दून की टीम पहुंची राष्ट्रीय समूह गानके फाइनल में

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। भारत विकास परिषद संस्कार शाखा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय समूह गान का भव्य आयोजन शहर के दून पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया। जिसमें दून पब्लिक स्कूल के बच्चों ने बहुत ही सुंदर गायन की प्रस्तुति दी ।हिंदी और संस्कृत दोनों समूह में गायन में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ समूह गान प्रभारी राकेश वार्ष्णेय धागे वाले, प्रांत संगठन सचिव मनोज अग्रवाल राया वाले ,विद्यालय प्रधानाचार्य जेके अग्रवाल, जिला समन्वयक अनिल वार्ष्णेय एवं संस्कार शाखा के अध्यक्ष कमलेश जैन ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विद्यालय की संगीत अध्यापिका श्रीमती की भावना शर्मा ने अपनी टीम के साथ प्रस्तुति दी। इस अवसर पर निर्णायक के रूप में राकेश वार्ष्णेय धागे वाले एवं अनिल वार्ष्णेय तेल वाले थे ।प्रांतीय संगठन सचिव मनोज अग्रवाल राया वालों ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों के अंदर राष्ट्रवाद और देश के प्रति देश प्रेम की भावनाएं विकसित करती हैं। निश्चित ही आज की विजयी टीम जिले का प्रांत में प्रतिनिधित्व करेगी और आगे क्षेत्र में भी अपना स्थान प्राप्त करेगी ।इस अवसर पर प्रांतीय निर्देशक विजय कृष्ण गर्ग, संस्कार शाखा के अध्यक्ष कमलेश जैन,सह सचिव विशाल गुप्ता, मदन मोहन वार्ष्णेय आदि उपस्थित थे।

प्रो. स्वतेन्द्र सिंह को मिला दादा ध्यानचंद इंटरनेशनल खेल रत्न अवॉर्ड - 2026

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। सरस्वती पी.जी. कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग में कार्यरत प्रो. स्वतेन्द्र सिंह को खेल उत्थान परिषद द्वारा दादा ध्यानचंद इंटरनेशनल खेल रत्न अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 15 एवं 16 अक्टूबर को कुलभास्कर आश्रम पी.जी. कॉलेज प्रयागराज में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया। सरस्वती पी.जी. कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग में कार्यरत प्रो. स्वतेन्द्र सिंह को यह प्रतिष्ठित सम्मान शिक्षण, अकादमिक लेखन, शोध, नवाचार एवं सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान के लिए दिया गया है। शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका तथा समाज के प्रति उनके योगदान को इस सम्मान के माध्यम से मान्यता प्रदान की गई है। उनकी इस उपलब्धि से सरस्वती पी.जी. कॉलेज में हर्ष का वातावरण है। महाविद्यालय के प्रबंधतंत्र, प्राचार्य, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने प्रो. स्वतेन्द्र सिंह को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर शुभकामनाएँ दीं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की है कि वे भविष्य में भी शिक्षण, शोध, खेल एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में इसी प्रकार उत्कृष्ट योगदान देते रहेंगे। प्रो. स्वतेन्द्र सिंह की यह उपलब्धि महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है तथा अन्य शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

समाधान दिवस में 175 शिकायतें, 14 का मौके पर निस्तारण

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी सत्यप्रकाश पटेल ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा के साथ तहसील सदर में जनसुनवाई की। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। भूमि विवाद समेत अन्य मामलों में सभी पक्षों की मौजूदगी में स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या एक ही समस्या दोबारा सामने आने पर जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ।सदर तहसील में 30 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। सिकंदराराऊ में 71 में तीन, सादाबाद में 46 में दो और सासनी में 28 में छह शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ। इस तरह जिले की चारों तहसीलों में 175 शिकायतों में 14 का तत्काल समाधान किया गया ।समाधान दिवस के दौरान विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए डीएम ने श्रम विभाग की योजनाओं के लाभार्थियों की सूची उपलब्ध कराने तथा मुख्य चिकित्साधिकारी को पात्र दिव्यांगों के प्रमाण पत्र बनाने और सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ग्राम जटोई में आकाशीय बिजली से महेश चंद्र की मृत्यु के बाद आपदा राहत के तहत मृतक के पिता बेनीराम और पत्नी प्रीति देवी को कुल चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

साइबर ठगी में गए 20 हजार रुपये पुलिस ने वापस कराए

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। थाना चंदपा साइबर क्राइम पुलिस टीम ने मोबाइल हैकिंग के जरिए साइबर ठगी में खाते से निकाले गए 20 हजार रुपये वापस करा दिए। पुलिस के मुताबिक ग्राम कपूरा निवासी नरेश कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके खाते से यूपीआई के माध्यम से 20 हजार रुपये निकल गए हैं। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी सादाबाद के नेतृत्व में साइबर क्राइम टीम ने कार्रवाई करते हुए पूरी धनराशि वापस करा दी ।रुपये वापस मिलने पर पीड़ित ने थाना पहुंचकर पुलिस का आभार जताया। साइबर क्राइम पुलिस ने लोगों से अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने और खाता संख्या, पिन, ओटीपी व सीवीवी जैसी गोपनीय जानकारी किसी से साझा नहीं करने की अपील की। साइबर ठगी होने पर तत्काल साइबर पोर्टल पर शिकायत करने अथवा 1930 पर कॉल करने की सलाह दी गई ।धनराशि वापस कराने वाली टीम में थानाध्यक्ष योगेश कुमार सहित पुलिस टीम शामिल रही।

सड़कें ऊंची, मकान धंस रहे, स्वापो ट्रस्ट ने सीएम से कार्रवाई की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। सड़क निर्माण के दौरान पुरानी सड़क को उखाड़े बिना उसके ऊपर नई सड़क बनाने से सड़क का स्तर लगातार ऊंचा होने और मकानों के नीचे होते जाने की समस्या को लेकर समाज कल्याण एवं शांति संगठन (स्वापो ट्रस्ट) ने मुख्यमंत्री को मांग पत्र भेजा है। संगठन ने कहा कि सड़कें ऊंची होने से बारिश के दौरान पानी घरों में घुसने की समस्या बढ़ रही है और लोगों की संपत्तियों को नुकसान हो रहा है ।मांग पत्र में हाथरस नगर के बुर्ज वाला कुआं से चावर गेट तक की सड़क का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया गया कि पुरानी इंटरलॉकिंग टाइल उखाड़े बिना ही उसके ऊपर आरसीसी सड़क बना दी गई, जिससे सड़क का स्तर काफी ऊंचा हो गया। संगठन ने कहा कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ ।ट्रस्ट ने शासन से मांग की है कि नई सड़क बनाने से पहले पुरानी सड़क को उखाड़ना अनिवार्य किया जाए, ताकि सड़क का स्तर बार-बार न बढ़े। निर्माण के बाद सड़क की समुचित सफाई कराने के निर्देश भी दिए जाएं। संगठन ने कहा कि यह समस्या केवल हाथरस की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की है। मांग करने वालों में संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष कपिल अग्रवाल, जिला अध्यक्ष सुनील बर्मन, नगर अध्यक्ष दिनेश सरदाना, जिला महामंत्री उत्कर्ष शर्मा सहित पदाधिकारी व सदस्य शामिल रहे।

दशहरा मेले को लेकर 20 अक्टूबर को रूट डायवर्जन, आगरा रोड पर छोटे वाहन भी प्रतिबंधित

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। रावण दहन एवं दशहरा मेला को लेकर यातायात पुलिस ने 20 अक्टूबर को रूट डायवर्जन लागू करने की घोषणा की है। प्रेमरघु हॉस्पिटल के सामने आगरा रोड स्थित मैदान में होने वाले मेले में भीड़ को देखते हुए सुबह आठ बजे से मेला समाप्ति तक यातायात व्यवस्था में बदलाव रहेगा ।हामड़ गेट से आने वाले बड़े व मध्यम वाहन डीआरबी तिराहा, रोडवेज बस स्टैंड, मधुगढ़ी तिराहा, इगलास फाटक और हतीसा बाईपास होकर गंतव्य को जाएंगे। आगरा की ओर से आने वाले वाहन नगला भुस तिराहा, चंदपा से बाईपास होकर हतीसा पुल के रास्ते मथुरा, अलीगढ़ व कासगंज की ओर जाएंगे। अलीगढ़ से आने वाले बड़े व मध्यम वाहन रूहेरी तिराहा से मथुरा-बरेली हाईवे होकर मथुरा-आगरा की ओर जाएंगे। सिकंदराराऊ से आने वाले वाहन मैदू बाईपास, बरेली बाईपास और रूहेरी बाईपास होकर हतीसा पुल से आगे जाएंगे।

लखीमपुर खीरी में भीषण हादसा: ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, नर्सिंग की दो छात्राओं समेत तीन की मौत



मोर्निंग सिटी संवाददाता

लखीमपुर खीरी जिले में भीरा-पलिया हाईवे पर भीरा कस्बा से करीब एक किलोमीटर दूर रपटा पुल के पास शनिवार को ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दो छात्राओं समेत तीन की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों छात्राएं वन बीट कॉलेज में नर्सिंग व जीएनएम की पढ़ाई कर रही थीं। हादसे के बाद ट्रक के नीचे फंसी बाइक करीब 500 मीटर तक घिसटती चली गई थी। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, निघासन क्षेत्र के बोटन पूर्वा निवासी क्रांति (24 वर्ष) पुत्री रामखिलावन वन बीट कॉलेज में बीएससी नर्सिंग और प्रियंका (25 वर्ष) पुत्री पृथ्वीपाल जीएनएम का कोर्स कर रही थी। कॉलेज में अवकाश होने के कारण दोनों छात्राएं अपने रिश्तेदार के साथ बाइक से अपने घर जा रही थीं। भीरा से पलिया की ओर जाते समय रपटा पुल के पास सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक ट्रक के नीचे फंस गई और काफी दूर तक घिसटती चली गई। हादसे में बाइक सवार युवक और दोनों छात्राओं की मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलते ही भीरा थाना प्रभारी अमित पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया, जबकि चालक फरार हो गया। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए लखीमपुर भेज दिया है। जो युवक बाइक चला रहा था, उसकी पहचान की जानकारी अभी नहीं मिल सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खाद कंपनियों के ब्रांड पर नकली डीएपी का खेल, किसान सेवा केंद्र से 820 बोरियां बरामद, एक गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता



एसटीएफ ने खाद कंपनियों के नाम पर नकली डीएपी खाद बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है। टीम ने हरदोई में छापा मारकर 820 बोरी नकली डीएपी खाद बरामद की है। मौके से लखीमपुर खीरी निवासी अखिलेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। खाद को ट्रक से किसान सेवा केंद्र पर उतारा जा रहा था। शुरूआती जांच में सामने आया है कि खाद भारत डीएपी और भूमि क्रांति डीएपी ब्रांड के नाम पर मंगाई गई थी।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के मुताबिक सूचना मिल रही थी कि प्रदेश में अलग-अलग खाद कंपनियों के नाम पर नकली खाद की खेप मंगाकर बेची जा रही है। इस पर एसटीएफ की टीमों को सक्रिय किया गया। 16 अक्तूबर को हरदोई के पिहानी थाना क्षेत्र के डेलपांडरवा गांव स्थित हरियाली किसान सेवा केंद्र पर नकली खाद की बड़ी खेप उतरने की जानकारी मिली। टीम ने मौके पर छापा मारकर ट्रेलर नंबर एचआर 46 जी 5567 को जब्त किया। इसी ट्रेलर से नकली खाद उतारी जा रही थी। उस पर ब्रांडेड खाद का प्रिंट था। कागजों में कुछ और, खेप पहुंच रही थी दूसरी जगह

जांच में खाद से संबंधित ई-वे बिल अहम कड़ी बना। एसटीएफ के मुताबिक बिल में सामग्री के कॉलम में रॉ ग्रेन्यूल्स दर्ज था। साथ ही सामान को हिसार, हरियाणा से ओडिशा भेजे जाने का विवरण दिया गया था। जबकि एसटीएफ ने ये खेप हरदोई के किसान सेवा केंद्र पर बरामद हुई। अब खाद की ढुलाई से जुड़े दस्तावेजों और वास्तविक खेप की जांच की जा रही है। एसटीएफ के मुताबिक गिरफ्तार अखिलेश कुमार ने पूछताछ में बताया कि डेलपांडरवा स्थित हरियाली किसान सेवा केंद्र का प्रोपराइटर कुलदीप सिंह है, लेकिन केंद्र का संचालन रजनीश सिंह करता है। अखिलेश ने बताया कि रजनीश सिंह के कहने पर उसने हिसार से नकली खाद मंगाई थी। इसे हिसार की मेसर्स श्री कृष्ण सुदामा एग्रो ट्रेडिंग नाम की फर्म से मंगाया गया था। हालांकि खाद की आपूर्ति, उसकी वास्तविक गुणवत्ता और दस्तावेजों में दर्ज विवरण की जांच जारी है। एसटीएफ ने मौके से फर्जी बिल-बाउचर, एक मोबाइल फोन, आधार कार्ड और घड़ी बरामद की है। एसटीएफ अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि नकली खाद कहां तैयार की जा रही थी और इसे किन-किन स्थानों पर बेचने की योजना थी।

चार दिन बाद होगा रावण पुतला दहन तैयारियोंमें जुटे कारीगर

मोर्निंग सिटी संवाददाता



हाथरस। सासनी कस्बा के श्री रामलीला मैदान में मानस कला मंच के बैनर तले और श्री हरि गोपाल गुप्ता के निर्देशन में चल रहे भव्य श्री रामलीला महोत्सव के तहत चार दिन बाद दशहरा पर्व पर हर्षोल्लास के साथ रावण वध लीला का मंचन किया जाएगा। लीला के उपरांत केएल जैन इंटर कॉलेज के खेल मैदान में रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के विशाल पुतलों का दहन किया जाएगा।

ठेकेदार संजय कुमार द्वारा लगभग 40,000 रुपये की लागत से इन आकर्षक पुतलों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। महोत्सव को लेकर कमेटी के सदस्यों और क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

श्री रामलीला कमेटी पदाधिकारियों ने बताया पुतला दहन के इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रकाश चंद शर्मा, डॉ. लोकेश शर्मा, लीलाधर शर्मा, विनोद कुमार जैन, जयप्रकाश माहेश्वरी, प्रदीप गुप्ता, अनिल गुप्ता, प्रशांत, रामनिवास शर्मा, विमल शर्मा, धीरू गांधी, सतीश चंद्र गुप्ता, सुनील कुमार वार्ष्णेय, गोपाल वार्ष्णेय, बृजेश शर्मा, प्रमोद गर्ग और अरविंद कातिब समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। वहीं दशहरा मेले और पुतला दहन के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा की कमान एसओ विपिन चौधरी मय फोर्स के संभालेंगी। पुलिस प्रशासन द्वारा असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जाएगी ताकि पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

वन स्टॉप सेंटर का सचिव ने किया औचक निरीक्षण, पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता



हाथरस। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशानुसार और जनपद न्यायाधीश विनय कुमार-तृतीय के दिशा-निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनु चैधरी ने वन स्टॉप सेंटर, हाथरस का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं को परखा और वहां मौजूद पीड़ित महिलाओं से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना।

शनिवार को निरीक्षण के समय वन स्टॉप सेंटर की संचालिका मनीषा भारद्वाज, फारिया नौशी और समस्त स्टाफ मौजूद मिला। सचिव ने परिसर की साफ-सफाई का जायजा लिया, जो संतोषजनक पाई गई। केंद्र पर तीन महिला पीड़ित उपस्थित मिलीं, जिनसे सचिव अनु चैधरी ने उनकी समस्याओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता अपनाते हुए उनकी समस्याओं का प्रभावी व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें समय पर सहायता मिल सके। सचिव ने वन स्टॉप सेंटर की संचालिका को सख्त निर्देश दिए कि केंद्र पर आने वाली सभी पीड़ित महिलाओं की सूचना तुरंत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हाथरस को उपलब्ध कराई जाए। इससे इन मामलों को प्री-लिटिगेशन (वाद-पूर्व) स्तर पर दर्ज कर त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी और महिलाओं को अदालती चक्करों से राहत मिलेगी। सचिव अनु चैधरी ने बताया कि वन स्टॉप सेंटर पर आने वाले पीड़ितों को कानूनी रूप से जागरूक करने और उन्हें तुरंत विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए एक पराविधिक स्वयं सेवक (च्स्ट) की नियमित ड्यूटी लगाई जाती है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर ऐसे निरीक्षण किए जाते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पीड़ित महिलाओं को कानूनी, चिकित्सकीय और पुलिसीय सहायता पूरी निष्ठा के साथ मिल रही है।

आरसेटी ने किया 12 दिवसीय धूपबत्ती-अगरबत्ती निर्माण प्रशिक्षण शिविर संपन्न



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कोतवाली चौराहा जलेसर रोड गांव किशनगढ़ी स्थित कैनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के तत्वावधान में हाथरस जंक्शन के गांव धौलपुर में आयोजित 12 दिवसीय धूपबत्ती एवं अगरबत्ती निर्माण प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया। इस दौरान प्रतिभागियों को स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनने की सीख दी गई।

संस्था के निदेशक सुनील कुमार झा ने बताया कि गत 5 अक्टूबर से शुरू हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं व युवाओं को अगरबत्ती और धूपबत्ती बनाने की आधुनिक तकनीक, कच्चे माल के चयन, निर्माण प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण, आकर्षक पैकेजिंग व बाजार में विपणन (मार्केटिंग) की विस्तृत जानकारी दी गई।

समापन अवसर पर आरसेटी के निदेशक ने कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं व महिलाओं को विभिन्न हुनर सिखाकर उन्हें स्वावलंबी बनाना है। प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रतिभागी अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर आय के नए स्रोत सृजित कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए।

नशीली गोलियां मिला पिलाई शराब, बेहोश होने पर की हत्या; छह माह पहले रास्ते में बदला लेने के लिए रची साजिश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

ग्रेटर नोएडा के कुलेसरा में रहने वाले 40 वर्षीय ऑटो चालक की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप उसके पड़ोसी पर है। ईकोटेक-3 कोतवाली पुलिस के अनुसार दोनों बुधवार रात कार में बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान छह माह पुराने विवाद को लेकर उनके बीच कहासुनी हो गई।

आरोप है कि विवाद बढ़ने पर पड़ोसी ने ऑटो चालक का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी शव को लखनावली गांव के पास फेंककर फरार हो गया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसकी निशानदेही पर शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से अलीगढ़ के दादों थाना क्षेत्र के खैरीरी मस्तीपुर गांव निवासी पवन शर्मा (40) पिछले करीब दस साल से कुलेसरा में परिवार के साथ रह रहा था। वह ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। पवन के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद उसके भाई ने 15 अक्तूबर को ईकोटेक-3 कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई। शिकायत में पवन के पड़ोसी ललित शर्मा पुत्र मनोहरलाल शर्मा पर शक भी जाहिर किया।

छह माह बाद फिर हुआ विवाद

पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि पवन और ललित बुधवार रात साथ बैठकर शराब पी रहे थे। लेकिन दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि दोनों के बीच बात इतनी बढ़ गई कि ललित ने पवन का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

इसके बाद आरोपी शव को लखनावली गांव के पास ले गया और वहां छोड़कर फरार हो गया। छह माह पहले भी कार घर के सामने खड़ी करने को लेकर दोनों में विवाद हुआ था। पवन के लापता होने की शिकायत और आरोपी पर जताए गए शक के आधार पर ईकोटेक-3 पुलिस ने ललित को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

1200 से अधिक मतदाताओं वाले बूथों का होगा सम्भाजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदेय स्थलों का सम्भाजन किया जाएगा। इसके साथ ही एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कराया जाएगा। इसे लेकर जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सत्य प्रकाश पटेल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों की बैठक हुई ।डीएम ने बताया कि मतदेय स्थलों के सम्भाजन का आलेख्य प्रकाशन 19 अक्टूबर को होगा। इसकी प्रतियां राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को देने के साथ जनपद की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएंगी। 26 अक्टूबर को पुनः बैठक कर मतदेय स्थलों को अंतिम रूप दिया जाएगा और 27 अक्टूबर को प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजा जाएगा ।उन्होंने बताया कि 17 और 24 अक्टूबर को सभी मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान चलेगा। बीएलओ सुबह 10 से शाम चार बजे तक मौजूद रहेंगे। पात्र नागरिक नाम जुड़वाने, हटवाने और संशोधन के लिए फॉर्म-6, 7 और 8 भर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है ।मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन 12 नवंबर और अंतिम प्रकाशन चार जनवरी 2027 को प्रस्तावित है। डीएम ने राजनीतिक दलों से बीएलए की अद्यतन सूची उपलब्ध कराने तथा युवाओं, महिलाओं और छूटे पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने में सहयोग की अपील की।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: डीएम

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ श्री अक्रूर इंटर कॉलेज और पीबीएएस इंटर कॉलेज स्थित मतदाता पुनरीक्षण केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, विवरणों में त्रुटियों को सुधारने और पुनरीक्षण कार्य पारदर्शिता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए ।डीएम ने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने घर-घर सत्यापन कराने और नाम हटाने संबंधी फॉर्म-7 के मामलों में नियमानुसार स्थलीय जांच के बाद ही कार्रवाई करने को कहा। नाम, आयु और अन्य विवरणों में संशोधन वास्तविक तथ्यों के आधार पर करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने केंद्र पर मौजूद छात्र-छात्राओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया ।डीएम ने बताया कि 17 और 24 अक्टूबर को विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं सहित पात्र नागरिक फॉर्म-6, 7 और 8 के माध्यम से नाम जुड़वाने, हटवाने और संशोधन के लिए आवेदन कर सकते हैं ।उन्होंने पीबीएएस इंटर कॉलेज में 23 अक्टूबर को होने वाले विधान परिषद के शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन के मतदान बूथों का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों को बूथों पर साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी और अन्य मूलभूत सुविधाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

7.17 करोड़ से बनेगा अटल कन्वेंशन सेंटर, मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। ग्राम हतीसा भगवन्तपुर में 7.17 करोड़ रुपये की लागत से अटल कन्वेंशन सेंटर एवं गेस्ट हाउस का निर्माण कराया जा रहा है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ निमार्णाधीन परियोजना का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया ।निरीक्षण के दौरान डीएम ने लेआउट प्लान के माध्यम से परियोजना की जानकारी ली। निर्माण कार्य एक जून 2026 को शुरू हुआ था और इसे 31 मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित है। डीएम ने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को तय समय-सीमा में निर्धारित मानकों के अनुरूप निर्माण पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। परियोजना पूरी होने पर जनपद को आयोजनों और अन्य गतिविधियों के लिए आधुनिक कन्वेंशन सेंटर एवं गेस्ट हाउस की सुविधा मिलेगी।

मां बाराही देवी के सप्तमी मेले में उमड़ी भक्तों की भीड़

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। शारदीय नवरात्र के सप्तमी पर्व पर कामरेड भगवानदास मार्ग स्थित मुरसान गेट पर प्राचीन सिद्धपीठ मां बाराही देवी मंदिर में मेला आयोजित किया गया। सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं अपने बच्चों को लेकर पहुंचीं और उनकी सलामती की प्रार्थना करते हुए पूजा-अर्चना की ।मेले में महिलाओं ने जल, कौड़ी, पुष्प और पत्तियों से बच्चों की नजर उतारकर माता रानी को अर्पित किया। मंदिर के महंत पं. गिरिराज किशोर शर्मा और पं. कुलदीप शर्मा ने बच्चों को झाड़ा लगाकर भभूति लगाई। भक्तों ने मां बाराही देवी, मां काली, भगवान शिव सहित अन्य देवी-देवताओं के दर्शन कर घर में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की ।मेले में महिलाओं ने मंदिर परिसर में बैठकर घर से लाया भोजन ग्रहण किया। वहीं चाट-पकौड़ी, खिलौनों और अन्य सामान की दुकानों पर भी खूब खरीदारी हुई। श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते कामरेड भगवानदास मार्ग और मुरसान गेट रोड पर जाम जैसी स्थिति बनी रही।

चोरी की बाइक व मोबाइल समेत आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। अमांपुर थाना में दर्ज एक मामले में वांछित चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने चोरी की एक बाइक व मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया है। अमांपुर थाना प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना ने बताया कि शुक्रवार की देर रात पुलिस ने वांछित आरोपी मयंक पुत्र जुगेन्द्र सिंह निवासी रूरियां थाना कोतवाली देहात जनपद एटा को लोधीपुर समसपुर तिराहे के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने चोरी की एक मोटर साइकिल व एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की है।

25 क्वार्टर देशी शराब समेत आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। ढोलना थाना पुलिस ने क्षेत्र से 25 क्वार्टर देशी शराब समेत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया है। ढोलना थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश भदौरिया ने बताया कि थाना पुलिस ने शनिवार को सूर्यप्रकाश पुत्र पोखपाल निवासी नगला छत्ता थाना ढोलना को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से पुलिस ने 25 क्वार्टर देशी शराब बरामद की है। आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई की है।

चामुंडा मंदिर परिसर में चला विशेष स्वच्छता अभियान



मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। नगर पालिका परिषद कासगंज एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत ग्रीन टेपल चामुंडा मंदिर परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य धार्मिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के साथ ही आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा। अभियान के दौरान सफाई एवं खाद्य निरीक्षक प्रमोद कुमार के नेतृत्व में मंदिर परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई कराई गई। सफाई नायक नईम और सफाई मित्रों ने झाड़ू लगाकर कचरे को एकत्रित किया तथा परिसर की सफाई कर उसे स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में योगदान दिया। इस अवसर पर सफाई एवं खाद्य निरीक्षक प्रमोद कुमार और आईटीसी के विपिन कुमार ने मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता का महत्व बताया। उन्होंने लोगों से अपील की कि मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में कूड़ा-कचरा न फैलाएं तथा कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें। साथ ही सार्वजनिक एवं धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता बनाए रखना केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जनसहभागिता से ही शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है। अभियान के माध्यम से स्वच्छ कासगंज के संकल्प को साकार करने तथा नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में प्रमोद कुमार, विपिन कुमार, सफाई नायक नईम एवं सफाई मित्र मौजूद रहे।

यातायात पुलिस का चेकिंग अभियान जारी, 338 वाहनों के चालान

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए यातायात पुलिस का दो दिवसीय विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दूसरे दिन 338 वाहन चालकों के चालान किए गए, जबकि बिना फिटनेस के दो ऑटो और बिना नंबर प्लेट के दो अन्य वाहनों को सीज किया गया। पुलिस ने कुल आठ लाख एक हजार रुपये का ऑनलाइन शमन शुल्क अधिरोपित किया। शनिवार को सीओ यातायात रजनीश कुमार उपाध्याय के पर्यवेक्षण में यातायात प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने नदरई तिराहा, राजकोल्ड चैराहा और बस स्टैंड पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान डेसीबल मीटर से जांच में 80 डेसीबल से अधिक ध्वनि वाले प्रेशर हॉर्न लगे 13 वाहनों और मोडिफाइड साइलेंसर वाले दोपहिया वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। नशे की हालत में वाहन चलाने के मामले में भी कार्रवाई हुई। दोपहिया इंटरसेप्टर सहित कुल 97 दोपहिया वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी, गलत दिशा में वाहन चलाने, क्षमता से अधिक सवारी बैठाने, मालवाहक वाहनों में यात्रियों को ले जाने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

भकरई गंगा घाट पर दाह संस्कार के दौरान हादसा, गंगा में डूबने से 65 वर्षीय किसान की मौत



मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज /पटियाली। सिकंदरपुर वैश्य क्षेत्र में शनिवार को भकरई गंगा घाट पर दाह संस्कार के दौरान एक बुजुर्ग किसान की गंगा में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद घाट पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर थाना पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना सिकंदरपुर वैश्य क्षेत्र के ग्राम सनोडी निवासी खुशीराम की माता श्यामा चरण का निधन हो गया था। शनिवार को परिजन और ग्रामीण उनके अंतिम संस्कार के लिए ग्राम नगला जयकिशन और खना के निकट स्थित भकरई गंगा घाट पहुंचे थे। घाट पर दाह संस्कार की प्रक्रिया चल रही थी और चिता जल रही थी। इसी दौरान अंतिम संस्कार में शामिल होने आए गांव के ही 65 वर्षीय श्रीराम पुत्र चंदू गंगा किनारे बैठे हुए थे। बताया गया कि अचानक श्रीराम गंगा में गिर गए। उन्हें पानी में गिरता देख घाट पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। बुजुर्ग को बचाने के लिए गोताखोरों और तैराकों ने तत्काल गंगा में छलांग लगा दी। काफी प्रयास के बाद उन्हें कुछ ही देर में गंगा से बाहर निकाल लिया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना शनिवार शाम करीब चार बजे की बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को घटना से अवगत कराया। सूचना पर थाना सिकंदरपुर वैश्य पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। बुजुर्ग की मौत से परिजनों में शोक व्याप्त है। थाना प्रभारी रंजीत कुमार ने बताया कि फिलहाल पुलिस टीम मौके पर जांच कर रही है, शव का पोस्टमार्टम होने पर ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

'सपा को वोट मांगने का हक नहीं', ब्रजेश पाठक बोले- अखिलेश राज में था वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया

मोर्निंग सिटी संवाददाता मुरादाबाद , मुरादाबाद जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अखिलेश यादव के शासनकाल में वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया का माहौल था। उन्होंने कहा कि सपा वोट लेने के लिए पीडीए लिखती है और उसे वोट मांगने से पहले अपने कामों का हिसाब देना चाहिए। एसआईआर पर विपक्ष के सवालों को अनुचित बताते हुए कहा कि हार-जीत के आधार पर निर्वाचन प्रक्रिया पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। मुरादाबाद में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा को वोट मांगने का हक नहीं है। वोट लेने के लिए पार्टी पीडीए लिखती है। सपा के शासनकाल में प्रदेश में विकास के बजाय माफियाराज हावी था। उस समय स्थिति ऐसी थी कि वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया था। उन्होंने एसएसआर को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर भी निशाना साधा। कहा कि हार-जीत के आधार पर निर्वाचन प्रक्रिया पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उप मुख्यमंत्री ने सपा की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी को जनता से वोट मांगने से पहले अपने शासनकाल के कार्यों का हिसाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा जाति और धर्म के नाम पर राजनीति करती है। वोट हासिल करने के लिए पीडीए का नारा दिया जाता है, जबकि जनता को यह बताया जाना चाहिए कि सरकार में रहते हुए उसके लिए क्या काम किए गए। उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार विकास और जनकल्याण के मुद्दे पर काम कर रही है।

अमांपुर में धूमधाम से निकली मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की बरात

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कासगंज। अमांपुर कस्बे के बारहद्वारी पर चल रही रामलीला में शुक्रवार रात को मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की भव्य बरात धूमधाम से निकाली गई। बराती बने भक्त बैंडबाजों की भक्ति संगीत पर झूमते रहे। हनुमान अखाड़ा और झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनीं रहीं। जगह-जगह पुष्पवर्षा से लोगों ने स्वागत किया। बरात का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक हरिओम वर्मा, भाजपा नेता बृजेश वर्मा, धीरज गुप्ता, अध्यक्ष रूदप्रताप सिंह, विनय प्रताप सोलंकी, शीलेन्द्र सोलंकी, पुष्पेंद्र वर्मा, हिदेश सर्राफ, आकाश गुप्ता सर्राफ, संतोष पालीवाल, राजेश शर्मा ने प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, गुरु विश्वामित्र के स्वरूपों का पूजन व आरती उतारकर किया। श्रीराम बरात कॉलेज रोड स्थित देवी मंदिर से शुरू होकर बारहद्वारी, सर्राफा बाजार, पुराना थाना रोड, तिराहा, सहावर रोड, ददवारा, इंद्रानगर, गुड़मंडी होते हुए देर रात श्रीराम जानकी मंदिर पर संपन्न हुई। बरात में भगवान गणेश, राधाकृष्ण, महाकाल अखाड़ा, भांगड़ा, शिव परिवार, माता दुर्गा, हनुमान की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। एटा रोड पर राम बरात का भाजपा मंडल उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र वर्मा ने स्वागत किया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर सीओ सहावर दुर्गेश कुमार मिश्र, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना, उपनिरीक्षक राकेश यादव मय पुलिस बल और पीएसी के साथ तैनात रहें। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य अवनीश सोलंकी, रामलाल साहू, प्रधानाचार्य जागन सिंह सोलंकी, हरिदत्त पालीवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय प्रकाश गुप्ता, रामसिंह शाक्य, राधेश्याम सविता, दरवेश फौजी, रिंकू अग्रवाल, वीरी सिंह शाक्य, प्रमोद गुप्ता, विनीत मित्तल, मनोज गुप्ता, आकाश गुप्ता सर्राफ, भूपेंद्र शाक्य, सोनू गुप्ता, अशोक शाक्य, एडवोकेट शिवम सोलंकी, पुष्पेंद्र आरएसएस, संजीव सोलंकी, शशीकान्त, गौरव गुप्ता, धर्मेंद्र राघव, मनोज लोधी, प्रखर गुप्ता, यश गोयल, विशाल मित्तल, मोहित गुप्ता, आशुतोष सविता, भुल्लन यादव, प्रशान्त आर्य, सौरव गुप्ता, वीरू सोलंकी, मोनू गुप्ता, शिवम गुप्ता, विवेक वर्मा, आयुष गुप्ता, पिदूल ठाकुर, अवधेश सर्राफ, आयुष भारद्वाज, नितिन माथुर, रोहित साहू, शनि गुप्ता, यश अग्रवाल, चिराग, मयंक, कान्हा, बिट्टू, वंश आदि रामभक्त मौजूद रहे।

पहली बार में ही शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें अधिकारी-मंडलायुक्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कासगंज। मंडलायुक्त ओ.पी. आर्य ने तहसील सदर कासगंज में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जनसामान्य की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का शासन की मंशा के अनुरूप पहली बार में ही गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही न बरती जाए और शिकायतकर्ता को कार्रवाई से संतुष्ट किया जाए।

मंडलायुक्त ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर उन्हें राहत पहुंचाना है। अधिकारी केवल औपचारिकता पूरी न करें, बल्कि शिकायतों के मूल कारणों का समाधान करें। लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। समाधान दिवस में प्राप्त कुल 50 शिकायतों में से 10 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान उन्होंने तहसील दिवस रजिस्टर का निरीक्षण कर तीन अक्टूबर को प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण की स्थिति जानी। साथ ही पेंशन लाभार्थियों के सत्यापन की समीक्षा करते हुए सभी पात्र लाभार्थियों का सत्यापन निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें समय से पेंशन मिल सके। मंडलायुक्त ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में संचारी रोगों से बचाव के लिए साफ-सफाई कराने, जलभराव समाप्त करने और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से निरोधात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रणय सिंह, पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह, संयुक्त विकास आयुक्त मंसाराम यादव, अपर जिलाधिकारी आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने निमार्णाधीन ट्रॉमा सेंटर और मल्टीपरपज हॉल का किया निरीक्षण

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कासगंज। मंडलायुक्त ओ.पी. आर्य ने शनिवार को कासगंज जनपद में निमार्णाधीन ट्रॉमा सेंटर तथा स्पोर्ट्स स्टेडियम में बनाए जा रहे मल्टीपरपज हॉल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से निर्माण कार्यों की स्थिति तथा गुणवत्ता मानकों की जानकारी ली।

मंडलायुक्त ने बताया कि जनपद में 18.85 करोड़ रुपये की लागत से ट्रॉमा सेंटर का निर्माण कराया जा रहा है। इसका लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। ट्रॉमा सेंटर के शुरू होने से दुर्घटनाओं में घायल और गंभीर मरीजों को समय पर बेहतर आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इससे जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी और मरीजों को उपचार के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इसके अलावा स्पोर्ट्स स्टेडियम में 10 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीपरपज हॉल का निर्माण कराया जा रहा है। इसके तैयार होने से खेल गतिविधियों के साथ अन्य आयोजनों के लिए भी बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा और जनपद में खेल संबंधी आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोनों परियोजनाओं का निर्माण निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा कराया जाए। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी और कार्यों की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं में गुणवत्ता और समयबद्धता सर्वोपरि है। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए, ताकि परियोजनाएं समय से पूरी होकर जनसामान्य के लिए उपयोगी साबित हों। इस अवसर पर संयुक्त विकास आयुक्त मंसाराम यादव, जिलाधिकारी प्रणय सिंह, पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी आलोक गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दहेली बुजुर्ग गांव में पसरा मातम, पांच शव पहुंचते ही मची चीख-पुकार



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद बुलंदशहर के नरौरा में हुए भीषण सड़क हादसे ने कासगंज के दहेली बुजुर्ग गांव में मातम पसरा दिया। शुक्रवार को हुए हादसे में पांच लोगों की मौत के बाद पोस्टमार्टम के पश्चात जब सभी शव गांव पहुंचे, तो परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। हर तरफ आंसू और अपनों को खोने का दर्द दिखाई दिया। ये तस्वीरें कासगंज के दहेली बुजुर्ग गांव की हैं, जहां एक ही परिवार के कई सदस्यों की मौत से हर आंख नम है। हादसे में रामदीन, उनके बेटे लोकेन्द्र, लोकेन्द्र की एक वर्षीय बेटी प्रगति और परिवार के बड़े बेटे प्रवीण की बहू बबिता की जान चली गई। वहीं, कार चालक शिव शेखर मिश्रा ने भी दम तोड़ दिया। पांचों शव गांव पहुंचते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। ग्रामीण पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं, लेकिन पूरे गांव में शोक का माहौल है। हादसे में लोकेन्द्र की पत्नी ललिता, प्रवीण का बेटा प्रतीक और बेटी अनिका भी घायल हुए हैं, जिनका उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना मिलने पर दिल्ली में रह रहे प्रवीण भी गांव पहुंच गए। शनिवार सुबह दस बजे के बाद खेत पर अंतिम संस्कार की तैयारी की गई। एक ही परिवार के कई सदस्यों की मौत और एक साल की मासूम प्रगति के निधन ने सभी को झकझोर दिया है। इस दर्दनाक हादसे के बाद ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग उठाई है।

प्रणया फैशन एंड लाइफस्टाइल प्रदर्शनी का शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कासगंज। शहर के होटल फोर लीफ में आयोजित प्रणया फैशन एंड लाइफस्टाइल प्रदर्शनी का शुभारंभ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती रेनू गौड़, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रत्नेश कश्यप और नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना माहेश्वरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और उत्पादों की सराहना की।

प्रदर्शनी में फैशन एवं लाइफस्टाइल, बच्चों के उपयोग की वस्तुओं, हस्तनिर्मित खाद्य उत्पादों सहित विभिन्न श्रेणियों के आकर्षक स्टॉल लगाए गए। यहां उपलब्ध उत्पादों को देखने के साथ ही खरीदारी भी की गई। प्रदर्शनी में विभिन्न उत्पादों के माध्यम से महिला उद्यमियों की प्रतिभा, रचनात्मकता और स्वरोजगार की संभावनाएं देखने को मिलीं। इस अवसर पर महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा गया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। ऐसे आयोजन महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन, प्रचार-प्रसार और विपणन के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनना उनके व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ परिवार और समाज की उन्नति के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस प्रकार की प्रदर्शनियां स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान दिलाने, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और स्वावलंबन की भावना को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। प्रणया फैशन एंड लाइफस्टाइल प्रदर्शनी इसी दिशा में एक सराहनीय पहल है।

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट कैंप का मंडलायुक्त ने किया शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कासगंज। मंडलायुक्त ओ.पी. आर्य ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासन की ओर से आयोजित डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (जीवन प्रमाण पत्र) कैंप का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने पेंशनर्स को शासन की नई डिजिटल व्यवस्था की जानकारी देते हुए कहा कि इसके माध्यम से जीवित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाया जा रहा है।

मंडलायुक्त ने कहा कि डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट की सुविधा विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयोगी है।

इससे पेंशनर्स को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलेगी और वे डिजिटल माध्यम से अपना जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कैंप में आने वाले सभी पेंशनर्स को नई प्रक्रिया की जानकारी सरल भाषा में दी जाए और प्रमाण पत्र तैयार करने व प्रेषित करने की प्रक्रिया समझाई जाए।

मंडलायुक्त ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण, दवाओं की उपलब्धता पर जोर

मोर्निंग सिटी संवाददाता



कासगंज। मंडलायुक्त ओपी आर्य ने संयुक्त जिला चिकित्सालय कासगंज का स्थलीय निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता और मरीजों को मिल रही चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों की जरूरत के अनुसार सभी आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। एक्सपायर हो चुकी दवाओं को नियमानुसार अलग कर उनका सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

मंडलायुक्त ने दवा वितरण कक्ष, पर्ची काउंटर, दवा स्टॉक, ब्लड बैंक, पैथोलॉजी और एसएनसीयू का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने तथा व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। कहा कि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए अधिकारी नियमित निगरानी करें और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित रखें। इसके बाद उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर भर्ती बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि कुपोषित बच्चों को निर्धारित मानकों के अनुरूप पोषण और उपचार उपलब्ध कराया जाए। बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच और फॉलोअप भी सुनिश्चित किया जाए। मंडलायुक्त ने कहा कि एसएएम (गंभीर तीव्र कुपोषित) और मैम (मध्यम तीव्र कुपोषित) बच्चों की समय से पहचान कर उनके उपचार एवं पोषण सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। संबंधित विभाग आपसी समन्वय से पात्र बच्चों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतें। निरीक्षण के दौरान संयुक्त विकास आयुक्त मंसाराम यादव, जिलाधिकारी प्रणय सिंह, पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी आलोक गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक और मुख्य चिकित्साधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रेल यात्रा कर रहे फौजी की अटैची चोरी करने वाला चढ़ा जीआरपी के हत्थे



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। स्थानीय जंक्शन रेलवे स्टेशन की जीआरपी पुलिस ने रेल यात्रा कर रहे फौजी की अटैची चोरी करने के मामले वांछित एक शातिर चोर को एटा से गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले 16 वर्ष से ट्रेनों में चोरी के मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया है।

थानाध्यक्ष जीआरपी कोमल कुन्तल के नेतृत्व में शनिवार को सुबह छह बजे जीआरपी पुलिस ने चलती पैसेंजर ट्रेन में रेलयात्री फौजी की अटैची चोरी करने वाले व पिछले करीब 16 वर्षों से न्यायालय से अनुपस्थित चल रहे आरोपी सारिक पुत्र मुन्ने खाँ निवासी मोहल्ला पटियाली गेट धोबियान गली थाना कोतवाली एटा को गिरफ्तार किया है। न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर आरोपी के विरुद्ध वारंट जारी किया गया था, इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए निवास स्थान बदलकर छिपकर रह रहा था। सर्विलांस से बचने के लिए आरोपी मोबाइल फोन का भी उपयोग नहीं कर रहा था। पुलिस ने आरोपी का आपराधिक इतिहास भी जुटाया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में मुख्य आरक्षी विनोद कुमार, आरक्षी आकाश फौजदार शामिल रहे।



आश्विन शुक्ल दशमी को विजयदशमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। रामलीला में जगह-जगह रावण वध का प्रदर्शन होता है। क्षत्रियों के यहाँ शस्त्र की पूजा होती है। इस दिन नीलकंठ का दर्शन बहुत शुभ माना जाता है। यह त्योहार क्षत्रियों का माना जाता है। इसमें अपराजिता देवी की पूजा होती है। यह पूजन भी सर्वसुख देने वाला है। दशहरा या विजया दशमी नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। इस दिन राम ने रावण का वध किया था ।

बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व

दशहरा



दशहरा (विजयदशमी या आयुध-पूजा) हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिये इस दशमी को विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। दशहरा वर्ष की तीन अत्यन्त शुभ तिथियों में से एक है, अन्य दो हैं चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं, शस्त्र-पूजा की जाती है। प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण-यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का आयोजन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। दशहरा अथवा विजयदशमी भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक है, शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है।

रामलीला मंचन

दशहरा अथवा विजयदशमी राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। देश के कोने-कोने में यह विभिन्न रूपों से मनाया जाता है, बल्कि यह उतने ही जोश और उल्लास से दूसरे देशों में भी मनाया जाता जहां प्रवासी भारतीय रहते हैं।

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भाँति यहाँ भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियाँ और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर तुरही, बिगुल, ढोल, नगाड़े,



बाँसुरी आदि-आदि जिसके पास जो वाद्य होता है, उसे लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। इस दौरान यहां आगंतुकों का स्वागत पारंपरिक मिठाई और उपहारों से किया जाता है। यहां भी रावण-दहन के आयोजन होते हैं, व मैदानों में मेले लगते हैं।

बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकर, लोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैं, जो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहां दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। प्रथम दिन जिसे काछिन गादि कहते हैं, देवी से समारोहारंभ की अनुमति ली जाती है। देवी एक कांटों की सेज पर विरजमान होती हैं, जिसे काछिन गादि कहते हैं। यह कन्या एक अनुसूचित जाति की है, जिससे बस्तर के राजपरिवार के व्यक्ति अनुमति लेते हैं। यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसके बाद जोगी-बिठाई होती है, इसके बाद भीतर रैनी (विजयदशमी) और बाहर रैनी (रथ-यात्रा) और अंत में मुरिया दरबार होता है। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है। बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों,ओडिआ,और आसाम के लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरे बंगाल में पांच दिनों के लिए मनाया जाता है।ओडिशा और असम मे 4 दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। इसके साथ अन्य देवी द्वेवताओं की भी कई मूर्तियां बनाई जाती हैं। त्योहार के दौरान शहर में छोटे मोटे स्टाल भी मिठाईयों से भरे रहते हैं। यहां षष्ठी के दिन दुर्गा देवी का बोधन, आमंत्रण एवं प्राण प्रतिष्ठा आदि का आयोजन किया जाता है। उसके उपरांत सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के दिन प्रातः और सायंकाल दुर्गा की पूजा में व्यतीत होते हैं।अष्टमी के दिन महापूजा और बलि भि दि जाति है। दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रसाद चढ़ाया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है। पुरुष आपस में आलिंगन करते हैं, जिसे कोलाकुली कहते हैं। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं, व देवी को अश्रुपूरित विदाई देती हैं। इसके साथ ही वे आपस में भी सिंदूर लगाती हैं, व सिंदूर से खेलते हैं। इस दिन यहां नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है। तदनंतर देवी प्रतिमाओं को बड़े-बड़े ट्रकों में भर कर विसर्जन के लिए ले जाया जाता है। विसर्जन की यह यात्रा भी बड़ी शोभनीय और दर्शनीय होती है।

कर्नाटक में मैसूर का दशहरा विशेष उल्लेखनीय है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुलहन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभा यात्रा का आनंद लेते हैं। इन द्रविड़ प्रदेशों में रावण-दहन का आयोजन नहीं किया जाता है।

गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। इस अवसर पर भक्ति, फिल्म तथा पारंपरिक लोक-संगीत सभी का समायोजन होता है। पूजा और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात होता रहता है। नवरात्रि में सोने और गहनों की खरीद को शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं, जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं।



विजय पर्व

दशहरे का उत्सव शक्ति और शक्ति का समन्वय बताने वाला उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिन जगदम्बा की उपासना करके शक्तिशाली बना हुआ मनुष्य विजय प्राप्ति के लिए तत्पर रहता है। इस दृष्टि से दशहरे अर्थात विजय के लिए प्रस्थान का उत्सव का उत्सव आवश्यक भी है। भारतीय संस्कृति सदा से ही वीरता व शौर्य की समर्थक रही है। प्रत्येक व्यक्ति और समाज के रुधिर में वीरता का प्रादुर्भाव हो कारण से ही दशहरे का उत्सव मनाया जाता है। यदि कभी युद्ध अनिवार्य ही हो तब शत्रु के आक्रमण की प्रतीक्षा ना कर उस पर हमला कर उसका पराभव करना ही कुशल राजनीति है। भगवान राम के समय से यह दिन विजय प्रस्थान का प्रतीक निश्चित है। भगवान राम ने रावण से युद्ध हेतु इसी दिन प्रस्थान किया था। मराठा रत्न शिवाजी ने भी औरंगजेब के विरुद्ध इसी दिन प्रस्थान करके हिन्दू धर्म का रक्षण किया था। भारतीय इतिहास में अनेक उदाहरण हैं जब हिन्दू राजा इस दिन विजय-प्रस्थान करते थे। इस पर्व को भगवती के विजया नाम पर भी विजयादशमी कहते हैं। इस दिन भगवान रामचंद्र चौदह वर्ष का वनवास भोगकर तथा रावण का वध कर अयोध्या पहुँचे थे। इसलिए भी इस पर्व को विजयादशमी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं। ऐसा माना गया है कि शत्रु पर विजय पाने के लिए इसी समय प्रस्थान करना चाहिए। इस दिन श्रवण नक्षत्र का योग और भी अधिक शुभ माना गया है। युद्ध करने का प्रसंग न होने पर भी इस काल में राजाओं (महत्वपूर्ण पदों पर पदासीन लोग) को सीमा का उल्लंघन करना चाहिए। दुर्योधन ने पांडवों को जुए में पराजित करके बारह वर्ष के वनवास के साथ तेरहवें वर्ष में अज्ञातवास की शर्त दी थी। तेरहवें वर्ष यदि उनका पता लग जाता तो उन्हें पुनः बारह वर्ष का वनवास भोगना पड़ता। इसी अज्ञातवास में अर्जुन ने अपना धनुष एक शमी वृक्ष पर रखा था तथा स्वयं वृहन्नला वेश में राजा विराट के यहँ नौकरी कर ली थी। जब गोरक्षा के लिए विराट के पुत्र धृष्टद्युम्न ने अर्जुन को अपने साथ लिया, तब अर्जुन ने शमी वृक्ष पर से अपने हथियार उठाकर शत्रुओं पर विजय प्राप्त की थी। विजयादशमी के दिन भगवान रामचंद्रजी के लंका पर चढ़ाई करने के लिए प्रस्थान करते समय शमी वृक्ष ने भगवान की विजय का उद्घोष किया था। विजयकाल में शमी पूजन इसीलिए होता है।

विजयदशमी पर पूजें शमी वृक्ष

भारत में प्रत्येक चेतन व अचेतन को सम्मान देते हुए उनका पूजन भी किया जाता है। इनमें वृक्ष-वनस्पतियाँ भी सम्मिलित हैं। जिस तरह चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर नीम, ज्येष्ठ पूर्णिमा वट सावित्री व्रत पर वट वृक्ष, सोमवती अमावस्या पर तुलसी, पीपल का, भाद्रमास की कुशग्रहिणी अमावस्या पर कुशा का और कार्तिक की आँवला नवमी पर आँवले के वृक्ष के पूजन का महत्व है, उसी प्रकार आश्विन शुक्ल दशमी (विजयदशमी) पर दो विशेष प्रकार की वनस्पतियों के पूजन का महत्व है। इनमें से एक है शमी वृक्ष, जिसका पूजन रावण दहन के बाद करके इसकी पत्तियों को स्वर्ण पत्तियों के रूप में एक-दूसरे को ससम्मान प्रदान किया जाता है। इस परंपरा में विजय उल्लास पर्व की कामना के साथ समृद्धि की कामना का रहस्य छुपा हुआ है। दूसरी वनस्पति है अपराजिता (विष्णु-क्रांता)। यह पौधा अपने नाम के अनुरूप ही पहचान देता है। यह विष्णु को प्रिय है और प्रत्येक परिस्थिति में सहायक बनकर विजय प्रदान करने वाला है। नीले रंग के पुष्प का यह पौधा भारत में सुलभता से उपलब्ध है। घरों में समृद्धि के लिए तुलसी की भाँति इसकी नियमित सेवा की जाती है। आयुर्वेद के अनुसार यह पौधा कफ विकारों को दूर करते हुए मासिक धर्म संबंधी समस्याओं के अलावा प्रसव पीड़ा निवारण में भी महत्व रखता है। तंत्र शास्त्र में युद्ध अथवा मुकदमेबाजी के मामले में यह उपयोगी है। विजयदशमी को दुर्गा पूजन, अपराजिता पूजन, विजय प्रयाण, शमी पूजन तथा नवरात्र पारण के महान कर्म हैं। क्लाइटोरिसाटरनेटिया डालकुलम प्रजाति का यह पौधा भगवान राम युग के पहले से ही व्यवहार में स्थापित है और विद्वानों ने इसका बहुत महत्व बताया है। विजयदशमी को प्रातःकाल अपराजिता लता का पूजन, अतिविशिष्ट पूजा-प्रार्थना के बाद विसर्जन और धारण आदि से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होते हैं। ऐसी पुराणों में मान्यता हैं।



विजयदशमी अर्थात् अपराजिता पूजन

विजयदशमी का पर्व उत्तर भारत में आश्विन शुक्ल पक्ष के नवरात्र संपन्न होने के उपरांत मनाया जाता है। शास्त्रों में दशहरे का असली नाम विजयदशमी है, जिसे अपराजिता पूजा भी कहते हैं। नवदुर्गाओं की माता अपराजिता संपूर्ण ब्रह्मांड की शक्तिदायिनी और ऊर्जा उत्सर्जन करने वाली हैं। महर्षि वेद व्यास ने अपराजिता देवी को आदिकाल की श्रेष्ठ फल देने वाली, देवताओं द्वारा पूजित और त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) द्वारा नित्य ध्यान में लाई जाने वाली देवी कहा है। गायत्री स्वरूप अपराजिता को निम्नलिखित मंत्र से भी पूजा जाता है -

ओम् महादेव्यै च विह्महे दुर्गायै धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात।।
ओम् नमः सर्व हिताथैयै जगदाधार दायिके।
साष्टांगोष्प्रणामस्ते प्रयत्नेन मया कृतः।
नमस्ते देवी देवेशि नमस्ते ईप्सित प्रदे।
नमस्ते जगतां धातित्र नमस्ते शंकरप्रिये।।
ओम् सर्वरूपमयी देवी सर्व देवीमयं जगत।
अतोष्हं विश्वरूपां तां नमामि परमेश्वरीम।।

चारों युगों के आरंभ होने के समय से ही देवी अपराजिता के पूजन का भी आरंभ हुआ। कथा के अनुसार, देव-दानव युद्ध का काफी लंबा अंतराल बीत चुका था। नवदुर्गाओं ने दानवों के संपूर्ण वंश का नाश कर दिया। इसके बाद माता दुर्गा अपनी आदिशक्ति अपराजिता का पूजन करने के लिए शमी की घास लेकर हिमालय में अंर्तध्यान हो गईं और आर्य व्रत के राजाओं ने इस विजय को उत्सव के रूप में मनाते हुए विजयदशमी पर्व का आरंभ किया। उल्लेखनीय है कि उस वक्त विजयदशमी देवताओं द्वारा दानवों पर विजय प्राप्त करने के उपलक्ष्य में मनाई गई थी। इस युद्ध में देवताओं के साथ धरती के राजा दशरथ, जनक और शोणक ऋषि जैसे राजाओं ने भी अपना युद्ध कौशल दिखाया था। बाद में रामायण काल में राम का राज्याभिषेक हुआ, लेकिन इसी दौरान रावण एवं अन्य दानवों के अत्याचारों से धरती फिर अशांत हो गई। धरती के जीवों को उनसे बचाने के लिए राम को वनवास पर जाना पड़ा। वैसे, राम ने अपने बाल्यकाल से ही आर्यावर्त पर घिरे हुए राक्षसों को एक-एक करके मारा। सबसे बड़े राक्षस रावण को मारने के लिए उन्हें जो श्रम करना पड़ा, उसका उल्लेख रामायण में मिलता है। राम-रावण युद्ध नवरात्रों में हुआ। रावण की मृत्यु अष्टमी-नवमी के संधिकाल में और दाह संस्कार दशमी तिथि को हुआ। इसके बाद विजयदशमी मनाने का उद्देश्य रावण पर राम की जीत यानी असत्य पर सत्य की जीत हो गया। आज भी संपूर्ण रामायण की रामलीला नवरात्रों में ही खेली जाती है और दसवें दिन सायंकाल में रावण का पुतला जलाया जाता है। इस दौरान यह ध्यान रखा जाता है कि दाह के समय भदा न हो। रामायण काल के बाद दशहरा मूलतः राजाओं यानि क्षत्रिय राजाओं का त्योहार माना गया। इसे राजाओं के विजय उत्सव के रूप में देखा जाने लगा। वे युद्ध में विजयी होकर उत्सव के रूप में अपनी प्रजा के बीच पहुंचते थे। मैसूर में वहां के राजा की सवारी काफी प्रसिद्ध रही है। वह इस दिन हाथी पर बैठकर अपने महल से बाहर आते थे और दशहरा मैदान में मां अपराजिता की पूजा करते थे। राजाओं की परिपाटी समाप्त होने के बाद आज वहां के राज्यपाल इस परंपरा का निर्वहन करते हैं। इसी तरह, हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू का दशहरा भी बहुत प्रसिद्ध है। यहां दशमी से अगले 15 दिन तक रोज वहां के भूतपूर्व राजा या उनके वंश को कोई व्यक्ति जनसभा में रावण दाह करके विजयदशमी का पूजन करता है। ऐसे ही सार्वजनिक उत्सव बनारस और इलाहाबाद में भी होते हैं। बंगाल में यह पूजन दुर्गा पूजा से ही जोड़ा जाता है। दुर्गा पूजा की महानवमी के बाद विजय दशमी के दिन कोलकाता समेत सारे बंगाल में मंदिरों में पंडाल सजते हैं और उत्सव मनाया जाता है। इसी दिन आदिशक्ति दुर्गा सहित काली पूजन और अपराजिता पूजन की रस्म भी निभाई जाती है। कुल मिलाकर, विजयदशमी बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इस विजय के लिए देवी मां अपराजिता अपनी अपार शक्ति समय-समय पर शूरवीर राजाओं को प्रदान करती रहती हैं।

विजयदशमी का पर्व हमारी संस्कृति से जुड़ा है। अपार भीड़ खींचने वाली यह सांस्कृतिक परंपरा असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने घर और बाहर उस विजयपर्व का आनंद उठाते हैं, जिसका आरंभ हजारों साल पहले हुआ था।



वर्ष के चार नवरात्रों में चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ की शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक नौ दिन के होते हैं, परंतु प्रसिद्धि में चैत्र और आश्विन के नवरात्र ही मुख्य माने जाते हैं। नवरात्र में देवी माँ के व्रत रखे जाते हैं। स्थान-स्थान पर देवी माँ की मूर्तियाँ बनाकर उनकी विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि नवरात्र में महाशक्ति की पूजा कर श्रीराम ने अपनी खोई हुई शक्ति पाई, इसलिए इस समय आदिशक्ति की आराधना पर विशेष बल दिया गया है।



ऊर्जा का उत्सव नवरात्री



नवरात्रि एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है नौ रातें। यह पर्व साल में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ, अश्विन, पोषप्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातो में तीन देवियों – महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वतीया सरस्वतीकि तथा दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हे नवदुर्गा कहते हैं। नौ देवियाँ है – श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदेय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की । तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग-अलग पूजा की जाती है। माँ दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियाँ देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं । नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। नवदुर्गा और दस महाविधाओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दस महाविधाएँ अनंत सिद्धियाँ प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

प्रमुख कथा

लंका-युद्ध में ब्रह्माजी ने श्रीराम से रावण वध के लिए चंडी देवी का पूजन कर देवी को प्रसन्न करने को कहा और बताए अनुसार चंडी पूजन और हवन हेतु दुर्लभ एक सौ आठ नीलकमल की व्यवस्था की गई। वहीं दूसरी ओर रावण ने भी अमरता के लोभ में विजय कामना से चंडी पाठ प्रारंभ किया। यह बात इंद्र देव ने पवन देव के माध्यम से श्रीराम के पास पहुँचाई और परामर्श दिया कि चंडी पाठ यथासभंव पूर्ण होने दिया जाए। इधर हवन सामग्री में पूजा स्थल से एक नीलकमल रावण की मायावी शक्ति से गायब हो गया और राम का संकल्प टूटता-सा नजर आने लगा। भय इस बात का था कि देवी माँ रुष्ट न हो जाएँ। दुर्लभ नीलकमल की व्यवस्था तत्काल असंभव थी, तब भगवान राम को सहज ही स्मरण हुआ कि मुझे लोग कमलनयन नवकंच लोचन कहते हैं, तो क्यों न संकल्प पूर्ति हेतु एक नेत्र अर्पित कर दिया जाए और प्रभु राम जैसे ही तूणीर से एक बाण निकालकर अपना नेत्र निकालने के लिए तैयार हुए, तब देवी ने प्रकट हो, हाथ पकड़कर कहा- राम मैं प्रसन्न हूँ और विजयश्री का आशीर्वाद दिया। वहीं रावण के चंडी पाठ में यज्ञ कर रहे ब्राह्मणों की सेवा में ब्राह्मण बालक का रूप धर कर हनुमानजी सेवा में जुट गए। निःस्वार्थ सेवा देखकर ब्राह्मणों ने हनुमानजी से वर माँगने को कहा। इस पर हनुमान ने विनम्रतापूर्वक कहा- प्रभु, आप प्रसन्न हैं तो जिस मंत्र से यज्ञ कर रहे हैं, उसका एक अक्षर मेरे कहने से बदल दीजिए। ब्राह्मण इस रहस्य को समझ नहीं सके और तथास्तु कह दिया। मंत्र में जयादेवी... भूर्तिहरिणी में ह के स्थान पर क उच्चारित करें, यही मेरी इच्छा है। भूर्तिहरिणी यानी कि प्राणियों की पीड़ा हरने वाली और करिणी का अर्थ हो गया प्राणियों को पीड़ित करने वाली, जिससे देवी रुष्ट हो गईं और रावण का सर्वनाश करवा दिया। हनुमानजी महाराज ने श्लोक में ह की जगह क करवाकर रावण के यज्ञ की दिशा ही बदल दी।

अन्य कथाएं

इस पर्व से जुड़ी एक अन्य कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। और प्रत्याशित प्रतिफल स्वरूप महिषासुर ने नरक का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए हैं और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा है। तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गई थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततः महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं।

निर्माणाधीन मूर्तियां

चौमासे में जो कार्य स्थगित किए गए होते हैं, उनके आरंभ के लिए साधन इसी दिन से जुटाए जाते हैं। क्षत्रियों का यह बहुत बड़ा पर्व है। इस दिन ब्राह्मण सरस्वती-पूजन तथा क्षत्रिय शस्त्र-पूजन आरंभ करते हैं। विजयादशमी या दशहरा एक राष्ट्रीय पर्व है। अर्थात आश्विन शुक्ल दशमी को सायंकाल तारा उदय होने के समय विजयकाल रहता है। यह सभी कार्यों को सिद्ध करता है। आश्विन शुक्ल दशमी पूर्वविद्धा निषिद्ध, परविद्धा शुद्ध और श्रवण नक्षत्रयुक्त सूर्योदयव्यापिनी सर्वश्रेष्ठ होती है। अपराह्न काल, श्रवण नक्षत्र तथा दशमी का प्रारंभ विजय यात्रा का मुहूर्त माना गया है। दुर्गा-विसर्जन, अपराजिता पूजन, विजय-प्रयाग, शमी पूजन तथा नवरात्र-पारण इस पर्व के महान कर्म हैं। इस दिन संध्या के समय नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ माना जाता है। क्षत्रिय/राजपूतों इस दिन प्रातः स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर संकल्प मंत्र लेते हैं। इसके पश्चात देवताओं, गुरुजन, अस्त्र-शस्त्र, अश्व आदि के यथाविधि पूजन की परंपरा है।



नौ दिन कैसे करें कन्या-पूजन

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। कहते हैं, नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है।

- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आप के दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए - गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अतः कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अतः इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।



स्वामी- सुशील कुमार सिंह, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), एन 30, ऑफसेट रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा, गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश से छपवाकर हाउस नं. 52 ग्रीनवुड-2 सेक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-noida.morningcity@gmail.com।